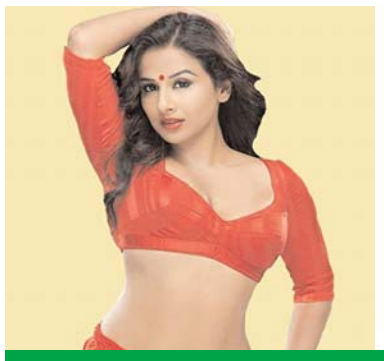

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

ग्वालियर वर्ष: 03 अंक: 136 | ग्वालियर, रविवार 24 मई 2020 | पृष्ठ: 08- मूल्य: 2 रु.

सीएम शिवराज की चेतावनी: शादी में बारात व समारोह करने की अनुमति नहीं

संक्रमित क्षेत्र के बाहर होगी शादी पर बारात निकाली तो सरकार बजाएगी बाजा

- भोपाल के जाटखेड़ी में दुल्हन संक्रमित और 32 बारातियों को क्वारेंटाइन किया गया
- 49 जिलों में कोरोना: भोपाल में 15 दिन में 50 नई कॉलोनियों में 474 नए मरीज मिले
- तीन जिले कटनी, नरसिंहपुर और निवाड़ी में अब तक कोई पॉजिटिव मरीज नहीं मिला
- हेल्थ चेकअप के लिए राज्य में 1391 फीवर क्लीनिक शुरू, 42 हजार की जांच कराई
- क्लीनिक में 6050 लोगों के सैंपल लिए गए, इनमें 3 हजार कोविड अस्पताल में भर्ती
- देवास में भी मिले पांच, अब तक खंडवा 213, बुरहानपुर 210, धार 108 और मंदसौर 83 केस

भोपाल

मध्य प्रदेश के 52 जिलों में से 49 में कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ चुके हैं। तीन जिले कटनी, नरसिंहपुर और निवाड़ी में कोई पॉजिटिव नहीं मिला है। पिछले तीन दिन में बालाघाट, छतरपुर, उमरिया, सिंगरौली, सिवनी और राजगढ़ जिलों में पॉजिटिव केस मिले हैं। इसके साथ प्रदेश मे कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 6000 के पार हो गई है। अब तक कुल 272 की मौत हुई है। वहीं कोरोना गाइडलाइन के अनुसार संक्रमित क्षेत्रों के बाहर शादी की अनुमति तो है, लेकिन बारात नहीं निकाली जा सकती और न ही बड़ा समारोह किया जा सकता है। शादी में वर-वधु पक्षों से 25-25 (कुल 50) सदस्यों के शामिल होने की अनुमति दी गई है। यह नियम तोड़ने पर मामला दर्ज किया जाएगा। ये चेतावनी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना की स्थिति की समीक्षा करते हुए दी। सीएम ने भोपाल की घटना के बाद यह चेतावनी दी। गौरतलब है कि जाटखेड़ी भोपाल में एक बारात आई, जिसमें दुल्हन संक्रमित हुई और 32 बारातियों को क्वारेंटाइन किया गया है। समीक्षा में सीएम ने बताया कि प्रदेश के सभी जिलों में 1391 फीवर क्लीनिक ने काम करना शुरू कर दिया है। फीवर क्लीनिक धीरे-धीरे हर मोहल्ले, वार्ड, क्षेत्र में शुरू किए जाएंगे। ये शासकीय व निजी दोनों होंगे।

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने मंत्रालय में कोरोना की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

भोपाल: संक्रमण नए क्षेत्रों में पहुंचा

राजधानी में शुक्रवार को 27 कोरोना पॉजिटिव मिले। इनमें ज्यादातर जाटखेड़ी के हैं। उच्च शिक्षा विभाग के एक अफसर भी संक्रमित हुए हैं। बीते 15 दिन में शहर की 50 नई कॉलोनियों में संक्रमण पहुंचा है। इस अवधि में 474 नए मरीज मिले हैं, जबकि पिछले डेढ़ महीने में 700 मरीज मिले थे। नए इलाकों में मिसरोद, जाटखेड़ी, ओल्ड सुभाष नगर, बरखेड़ा पठानी, राजहर्ष, नवजीवन कॉलोनी शामिल हैं। जाटखेड़ी-मिसरोद में दो सप्ताह में 37 लोगों में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। पिछले तीन दिन में ही 15 मरीज मिल चुके हैं। ये इलाके नए हॉट स्पॉट बन गए हैं। जहांगीराबाद में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 300 के पार हो गई है, जबकि 5 मई को यहां कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या 100 से कम थी। ऐसी ही स्थिति मंगलवारा, अशोका गार्डन सहित दूसरे कोरोना संक्रमित इलाकों की है।

इंदौर: 76 नए केस, आंकड़ा 2850 हुआ

इंदौर में एक और लगातार मरीजों की संख्या में इजाफा हो रहा है। दूसरी ओर प्रशासन संक्रमण मुक्त करने की कोशिश करते हुए इंदौर को आर्थिक गति देने में भी जुट गया है। गुरुवार रात आई रिपोर्ट में 76 नए केस सामने आए। 2 की मौत की पुष्टि हुई। इसके साथ संक्रमितों को आंकड़ा बढ़कर 2850 हो गया है। मृतकों की संख्या अब 109 तक पहुंच गई है। कलेक्टर मनीष सिंह ने ने इंदौर में कोरोना से निपटने के लिए प्राइवेट क्लीनिक को खोलने की इजाजत दे दी है। ये क्लीनिक रविवार से शुरू हो सकेंगे।

ग्वालियर: 14 संक्रमित मिले

ग्वालियर-चंबल अंचल में कोरोना के 14 संक्रमित मिले। इनमें अहमदाबाद से तीन बच्चों के साथ बेहट लौटे पति-पत्नी और मुंबई से दो साथियों के साथ आए जीजा-साले समेत 7 मरीज शामिल हैं। दो मरीज ऐसे हैं जो डबरा के रोहिरा और गुप्ता परिवार के संपर्क में आने के कारण संक्रमित हुए। ग्वालियर में रसूलाबाद का एक युवक भी पॉजिटिव पाया गया। इसके अलावा, मुरैना में 9 मरीज की रिपोर्ट पॉजिटिव आई।

सागर: 6 नए कोरोना संक्रमित मिले

सागर जिले में 6 नए कोरोना संक्रमित मिले हैं। इनमें 3 युवक कोरोना संक्रमित प्राइवेट डॉक्टर के संपर्क में आए थे। वहीं, देवरी के खकरिया गांव में इंदौर से 5 दिन पहले लौटी 3 युवतियों की रिपोर्ट भी कोरोना संक्रमित आई। सागर जिले में अब तक कुल 56 मरीज संक्रमित हो चुके हैं। इनमें 5 स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किए गए।

मालवा निमाड़: पैर पसार रहा कोरोना

मालवा निमाड़ में कोरोना संक्रमण का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। खंडवा जिले में शुक्रवार को पांच नए मरीज मिले। जिले में संक्रमित मरीजों की संख्या 213 हो गई है। वहीं देवास में अमोना निवासी नौ साल की बालिका सहित पांच नए पॉजिटिव मरीज मिले। झाबुआ जिले में शुक्रवार को एक और पॉजिटिव मरीज मिला। बुरहानपुर में मरीज की मौत बुरहानपुर में तीन नए केस सामने आए, वहीं एक मरीज की मौत हो गई। कोरोना से मौत का आंकड़ा 13 पर पहुंच गया है। धार के गांव रानीपुरा में 55 वर्षीय किसान कोरोना संक्रमित मिला। इसे सीधे इंदौर ले जाया गया था, जहां निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मंदसौर जिले में एक कोरोना पॉजिटिव मिला है। अब जिले में 83 कोरोना संक्रमित मरीज हो गए हैं।

राज्य में 5981 संक्रमित

इंदौर 2774, भोपाल 1115, उज्जैन 481, बुरहानपुर 206, खंडवा 208, जबलपुर 192, खरगोन 114, धार 107, ग्वालियर 83, मंदसौर 82, देवास 69, रायसेन 67, नीमच और मुरैना 58-58, सागर 51, भिंड 42, होशंगाबाद 37, बड़वानी 34, रतलाम 29, रीवा 25, विदिशा 16, आगर मालवा 13, झाबुआ 11, सतना 10, बैतूल और शाजापुर 9-9, सीधी 8, अशोकनगर, दमोह और टीकमगढ़ 6-6, छिंदवाड़ा, सीहोर और श्योपुर 5-5, दतिया, डिंडोरी, शहडोल और शिवपुरी 4-4, अलीराजपुर, अनूपपुर, हरदा और पन्ना 3-3, राजगढ़ और छतरपुर 2-2, गुना, मंडला, सिवनी, सिंगरौली, उमरिया में एक-एक संक्रमित मिला।

270 की मौत

इंदौर में 107, भोपाल में 40, उज्जैन में 51, बुरहानपुर में 11, खंडवा में 10, जबलपुर में 9, खरगौन में 8, देवास में 8, मंदसौर में 6, रायसेन और होशंगाबाद में 3-3, सागर और धार में 2-2, ग्वालियर, नीमच, आगर मालवा-सतना-शाजापुर-झाबुआ-छिंदवाड़ा-सीहोर-अशोकनगर में एक-एक मरीज की मौत हो चुकी है।

पाकिस्तान में हादसा, जहाज में 98 लोग थे सवार

कराची एयरपोर्ट पर लैंडिंग से चंद मिनट पहले प्लेन क्रैश

कराची ■ एजेंसी

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस का एक पैसेंजर प्लेन शुक्रवार को कराची के रिहाइशी इलाके में क्रैश हो गया। पीआईए की फ्लाइट पीके 8303 लाहौर से कराची आ रही थी। एयरपोर्ट से कुछ किलोमीटर की दूरी पर और लैंडिंग से चंद मिनट पहले प्लेन का इंजन फेल हो गया। उसमें आग लग गई और वह जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचने से पहले ही क्रैश हो गया। प्लेन में 91 यात्री और 7 क्रू मेंबर में सवार थे। इनमें 51 पुरुष, 31 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल थे। देर रात खबर लिखे जाने तक शव निकाले जा रहे थे। बैंक ऑफ पंजाब के प्रेसीडेंट जफर मसूद भी विमान में सवार थे, हालांकि वे सुरक्षित हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस हादसे पर दुख जताया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने हादसे पर कहा कि अभी हमारी प्राथमिकता राहत और बचाव कार्य हैं। यह प्लेन कराची में मॉडल कॉलोनी के जिन्ना गार्डन इलाके में गिरा। वहां कई घरों में आग लग गई। इस इलाके को मलीर भी कहा जाता है। पाकिस्तान की सिविल एविएशन अथॉरिटी के मुताबिक, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को इंजन फेल हो जाने के बारे में बताया, लेकिन लैंडिंग से ठीक एक मिनट पहले संपर्क टूट गया।

प्रदेश के नौ शहरों में बरसी आग पारा पहुंचा 45-46 डिग्री के पार

- नौतपा से पहले ही मध्यप्रदेश में राजस्थानी हवाओं ने बढ़ाई तपन
- गर्म हवाओं का असर उज्जैन, सागर, इंदौर व होशंगाबाद में रहा
- अगले 24 घंटों के दौरान खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर में लू चलेगी

भोपाल

राजस्थान की ओर आ रही गर्म हवाओं के प्रभाव से शुक्रवार को मध्यप्रदेश में अधिकांश स्थानों पर गर्मी ने काफी तेवर दिखाया है। गर्म हवाओं के कारण शुक्रवार को राज्य में 28 स्थानों पर अधिकतम तापमान 41 से लेकर 46 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान नौगांव में 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। इसी तरह खजुराहो, ग्वालियर, दमोह और खरगोन में अधिकतम तापमान 45 डिग्री और रतलाम, राजगढ़, गुना, सागर, रीवा, होशंगाबाद और जबलपुर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश में आ रही गर्म पश्चिमी हवाएं के कारण तापमान में यह उछाल आया है। भोपाल मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक उदय सरवटे ने बताया कि शुक्रवार को प्रदेश में राजस्थान के साथ-साथ गुजरात की ओर से गर्म हवाएं आने के कारण प्रदेश में गर्मी का तेवर बढ़ा है। इससे तापमान में उछाल आया है। ऐसे स्थिति अभी कम से कम तीन दिन तक और बना रह सकता है। गर्म हवाओं का असर उज्जैन, सागर, इंदौर और होशंगाबाद में ज्यादा रहा। उन्होंने बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान के दौरान खरगौन, खंडवा और बुरहानपुर जिले में कहीं कहीं लू चलने की संभावना है।

नौगांव में पार 46 पर पहुंचा

पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश भर में मौसम शुष्क रहा। इस बीच इंदौर और उज्जैन संभाग में आने वाले जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। शेष संभागों के जिलों में सामान्य रहे। सबसे अधिक अधिकतम तापमान नौगांव में 46 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ है।

सागर में गर्मी ने दिखाए तेवर

सागर जिले मे मई माह के दूसरे पखवाड़े में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो इस सीजन मे पहली बार पहुंचा है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री सेल्सियस रहा है, जो सामान्य से 3 अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री रहा जो कि सामान्य से दो कम है। सुबह शाम की आद्रता का प्रतिशत 26 और 19 है। सुबह से ही तापमान के तीखे तेवर दिखने लगे और दोपहर बाद तेवर और सख्त हो गए। गर्मी के मौसम में अधिकतम तापमान पहली बार 44 के पार पहुंचा है।

न्यूज. ब्रीफ

आरबीआई ने की रेपो रेट में 40 बीपीएस की कटौती, लोन की किश्त में सालाना 11,520 रुपए की बचत

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा शुक्रवार को रेपो रेट में 40 बीपीएस की कटौती के बाद तमाम तरह के कर्ज लेने वाले ग्राहकों को राहत मिली है। अगर किसी ने 40 लाख रुपए का 20 साल का कर्ज लिया है तो उसकी मासिक किश्त में 960 रुपए की कमी आएगी। यानी आरबीआई के फैसले से सालाना 11,520 रुपए की बचत होगी। इस कटौती का फायदा रिटेल लोन के सभी ग्राहकों को मिलेगा। इसमें हाउसिंग लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन जैसे वे सभी लोन हैं, जो रिटेल लोन में आते हैं। बता दें कि बैंकों के लिए रिटेल लोन सबसे बड़ा फायदे का सौदा है। इससे पहले मार्च में आरबीआई ने 75 बीपीएस की कटौती की थी। उस समय किसी ने अगर 35 लाख रुपए का लोन 15 साल के लिए लिया होगा तो उसे मासिक 1,533 रुपए का फायदा ईएमआई में होगा। यानी सालाना 18,396 रुपए का लाभ होगा।

सीआईएससीई बोर्ड : 10-12वीं का नया टाइम टेबल जारी

नई दिल्ली। लॉकडाउन की वजह से टाली गई काउंसिल फॉर इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) की बाकी बची परीक्षाओं के लिए डेटशीट जारी कर दी गई है। बोर्ड की तरफ से जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक दसवीं के बचे बाकी पेपर 2 जुलाई से 12 जुलाई के बीच आयोजित किए जाएंगे। वहीं, 12वीं की परीक्षा 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच आयोजित होगी। इस बारे में बोर्ड ने नोटिफिकेशन जारी कर जानकारी दी है। इससे पहले सीआईएससीई ने बताया था कि लॉकडाउन खत्म होने के बाद 10वीं- 12वीं की परीक्षाओं को आयोजित कराया जाएगा। जिसके लिए परीक्षाओं के शुरू होने से 8 दिन पहले परिषद परीक्षाओं के संशोधित कार्यक्रम की घोषणा करेगी। साथ ही बोर्ड ने स्कूलों को 10वीं के स्टूडेंट्स को 11वीं में प्रोविजनल एडमिशन देने की भी अनुमति दी थी। जारी डेटशीट के बाद अब आईसीएसई के बचे हुए छह पेपरों और आईएससी के आठ पेपरों की परीक्षा आयोजित होगी।

अगले सप्ताह 22 नए मंत्री लेंगे शपथ

- कैबिनेट विस्तार की तैयारी अंतिम चरण में
- मुख्यमंत्री ने दावेदारों की सूची दिल्ली भेजी

भोपाल

कैबिनेट विस्तार की खबरों को अब विराम देने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अपनी टीम में नए चेहरों को शामिल करने का मन बना लिया है। एक चर्चा के दौरान सीएम ने कहा कि जल्द ही वे कैबिनेट का विस्तार करेंगे। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो अगले हफ्ते 22 मंत्रियों को शपथ दिलवाई जा सकती है। इस बीच मंत्री पद के दावेदारों ने भी शुक्रवार को मुख्यमंत्री और संगठन प्रमुख वीडी शर्मा व प्रदेश संगठन महामंत्री सुहास भगत से बातचीत की। शुक्रवार का दिन भाजपा की सियासत के लिए बड़ा गहमी-गहमी वाला रहा। मंत्रिमंडल के विस्तार की सुगबुगाहट के साथ ही कई दावेदारों ने भोपाल की दौड़ लगा दी। प्रदेश भाजपा कार्यालय में पूर्व गृह मंत्री भूपेंद्र सिंह ने प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और सुहास भगत से मुलाकात की। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन ने भी दोनों नेताओं से मुलाकात की।

राकेश भी दिखे सक्रिय

मंत्री पद के दावेदारों को लेकर मुख्यमंत्री और संगठन नेताओं के बीच चर्चा भी पूरी हो गई है। दावेदारों की सूची केंद्रीय नेतृत्व को भेजी गई है। संभावना है कि शपथ की तारीख तय करने से पहले मुख्यमंत्री एक बार दिल्ली जा सकते हैं। पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राकेश सिंह भी सक्रिय कैबिनेट विस्तार की खबरों के बीच शुक्रवार को भोपाल में सक्रिय रहे। प्रदेशाध्यक्ष का पद छोड़ने के बाद वे पहली बार प्रदेश भाजपा कार्यालय आए थे।

डब्ल्यूएचओ के 34 सदस्यीय कार्यकारी बोर्ड के चेयरमैन बनें डॉ. हर्षवर्धन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने शुक्रवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के कार्यकारी (एग्जीक्यूटिव) बोर्ड के चेयमैन के तौर पर पदभार संभाल लिया है। चूंकि कोरोना संकट के समय ऐतिहासिक तौर पर स्वास्थ्य निकाय की साख गिरी है और इसकी आलोचना भी हो रही है, तो इस समय भारत के पास इसके नेतृत्व शून्यता को भरने का बेहतरीन मौका है। इससे डब्ल्यूएचओ में भारत का कद भी बढ़ने जा रहा है। डॉ. हर्षवर्धन जापान के डॉ. हिरोकी नकटानी के उत्तराधिकारी के रूप में कार्यभार संभालेंगे। दुनिया भर में कोरोनावायरस महामारी के बीच भारत के स्वास्थ्य मंत्री को यह जिम्मेदारी मिलना काफी महत्व रखता है। इस महत्वपूर्ण कार्यकारी बोर्ड में 34 सदस्य हैं, जो तकनीकी रूप से योग्य हैं और अपने देशों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन सभी 34 सदस्यों को विश्व स्वास्थ्य सभा में उनके संबंधित देशों द्वारा नामित किया गया है। इससे संबंधित हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में हर्षवर्धन ने कोरोना पर भारत की प्रतिक्रिया के बारे में एक लंबा भाषण दिया था और बताया था कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया को अपना नेतृत्व दिखाया है। भारत को डब्ल्यूएचओ के कार्यकारी बोर्ड में शामिल करने के प्रस्ताव पर 194 देशों ने हस्ताक्षर किए हैं।

अरविंद नरवरिया जी बने भारतीय नमो संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष

ग्वालियर। भारतीय नमो संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज कुमार मन्नू जी के अनुशंसा पर और नमो संघ के संरक्षक उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र रावत जी और संरक्षिका भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय मंत्री पूजा कपिल मिश्रा ओर संघ संरक्षक भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दुष्यंत गौतम के निर्देश पर संगठन विस्तार के तहत मध्य प्रदेश के नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दीक्षित के द्वारा ग्वालियर के पुष्पांजलि टुडे के उप संपादक बरिष्ठ पत्रकार अरविंद नरवरिया जी को प्रदेश उपाध्यक्ष मध्य प्रदेश पद पर नियुक्त किया गया इस अवसर पर नवनियुक्त प्रदेश उपाध्यक्ष पुष्पांजलि टुडे के उप संपादक अरविंदर नरवरिया ने कहा कि संगठन ने मुझे जो दायित्व सौंपा है उसे मैं पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ उसका निर्वहन करूंगा और मोदी जी की विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करूंगा इसके बाद नमो संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश दीक्षित ने कहा के भारतीय नरेंद्र मोदी संगठन स्वच्छ राजनीति से प्रेरित एक सामाजिक संगठन है और हमारा उद्देश्य राष्ट्र हित में काम कर रही भारतीय जनता पार्टी को मजबूत करना एवं मोदी सरकार के द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी शासकीय योजनाओं का प्रचार प्रसार कर आम लोगों को उनका फायदा दिलाना है नमो संघ का उद्देश्य भ्रष्टाचार मुक्त भारत जातिवाद अलगाववाद मुक्त अखंड भारत का निर्माण करना है इस संगठन का निर्माण 10 वर्ष पूर्व मोदी विचार को लेकर किया गया था इस संगठन का निर्माण आरएसएस और भाजपा के बड़े नेताओं द्वारा किया गया है आज नमो संघ पूरे भारत में राष्ट्र सेवा में समर्पित होकर कार्य कर रहा है उन्होंने आगे कहा जो देश में पिछले 70 वर्षों में नहीं हो पाया वह मोदी जी ने करके दिखा दिया है आज पूरे विश्व में नमो की गूंज है और आज हमारा देश मोदी जी के नेतृत्व में अखंड भारत निर्माण की ओर अग्रसर है अब वह दिन दूर नहीं जब हमारा देश विश्व गुरु कहलायेगा, इस अवसर पर नवनियुक्त मध्य प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष अरविंद नरवरिया जी का सभी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया, और उन्हें बधाई दी, बधाई देने वालों में,, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बीड़ी शर्मा ,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विधायक अरविंद भदोरिया,भाजपा नेता समाजसेवी सतीश सिकरवार,भाजपा सांसद विवेक शेजवलकर ,प्रदेश उपाध्यक्ष रामेंद्र शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट सौम्या शर्मा ,प्रदेश युवा संगठन मंत्री देव चौधरी ,महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉक्टर अस्वनी चौधरी,जिला अध्यक्ष ग्वालियर उदय कौरव, संभागीय अध्यक्ष देवानंद नायक,आदि ने बधाई दी।

बेटे की मौत का दर्द सहकर भी कोरोना पर भारी पड़ीं इंदौर की 95 वर्षीय महिला, स्वस्थ होकर घर लौटीं

इंदौर। इंदौर में एक 95 साल की महिला ने कोरोना महामारी के खिलाफ जीत हासिल करने की मिसाल पेश की है। वह देश के उन सर्वाधिक उम्र वाले मरीजों में शामिल हो गई हैं, जो इलाज के बाद कोरोना से उबर चुके हैं। बेटे की मौत के गम में डूबे होने के बावजूद वह 11 दिन चले इलाज के बाद ठीक होकर घर लौट आईं।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि कोविड-19 से संक्रमित पाए जाने के बाद 95 वर्षीय महिला को शहर के एक निजी अस्पताल में 10 मई को भर्ती कराया गया था। इलाज के बाद संक्रमण मुक्त होने पर उन्हें गुरुवार को छुट्टी दे दी गई।

बेटे से फैला कोरोना- पीड़ित महिला के 70 वर्षीय बेटे की बुखार और सर्दी-जुकाम से चार मई को मौत हो गई। मौत से पहले बेटे में कोरोना जैसे लक्षण दिखने के आधार पर परिवार के 16 लोगों ने कोविड-19 की जांच कराई। जांच में 95 वर्षीय महिला समेत छह लोग कोरोना से संक्रमित पाए गए। इनमें 10-10 साल के जुड़वां भाई-बहन शामिल हैं। फिलाहल परिवार के पांच लोग इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौट आए हैं, एक मरीज का इलाज जारी है। परिवार ने सूझबूझ का परिचय दिया- महामारी पर कामयाबी की इस कहानी में 95 वर्षीय महिला के जागरूक परिवार की भी बड़ी भूमिका है। परिवार के एक सदस्य की मौत पर शोक में डूबे होने के बावजूद परिवार ने कोविड-19 की तुरंत जांच कराई और महिला समेत छह संक्रमित मरीजों को समय पर अस्पताल में भर्ती कराया।

भोपाल में दुल्हन पाई गई कोविड-19 संक्रमित35 बारातियों को किया गया क्वारंटाइन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक बारात में दुल्हन के कोविड-19 से संक्रमित पाये जाने के बाद 35 बारातियों को पृथकवास कर दिया गया है। यह शादी शहर के जाटखेड़ी में 18 मई को हुई थी। मध्य प्रदेश के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया, भोपाल के मिसरोद पुलिस थाना इलाके स्थित जाटखेड़ी में एक नया निरुद्ध क्षेत्र बन गया है। यहां सतलापुर गांव से एक बारात आई थी। इस विवाह में दुल्हन कोरोना वायरस संक्रमित पाई गई है। उन्होंने कहा कि इस शादी समारोह में शामिल करीब 35 लोगों को पृथकवास किया गया है। मिश्रा ने बताया कि इस शादी में अनुमति से अधिक लोग शामिल हुए और वे एक बस से आए। इसलिए हमने अब फैसला लिया है कि शादी समारोह में बसों को अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि अनुमति से ज्यादा लोग शादी में शामिल होते हैं तो उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शादी में शामिल होने के लिए आज से केवल निजी वाहनों के जरिए ही आने की अनुमति होगी। इसी बीच, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय में वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश में कोरोना वायरस की स्थिति एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए कहा, दिशानिर्देश के नियम अनुसार संक्रमित क्षेत्रों के बाहर शादी में दोनों पक्षों से 25-25 अधिकतम 50 सदस्य शामिल होने की अनुमति दी गई है, परंतु विवाह समारोह नहीं किया जा सकता और न ही बारात निकाली जा सकती है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा, नियम तोड़ने पर प्राथमिकी दर्ज की जाए। इस बैठक में बताया गया कि भोपाल शहर के जाटखेड़ी में एक बारात आई जिसमें दुल्हन संक्रमित हुई तथा 35 बारातियों को पृथकवास किया गया है। मालूम हो कि मध्यप्रदेश में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण के 5,981 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 270 लोगों की मौत हो चुकी है।

ग्रीन जोन से ग्रीन जोन में जाने के लिए नहीं होगी पास की आवश्यकता: नरोत्तम मिश्रा

ब्यूरो रिपोर्ट

भोपाल। मप्र शिवराज सरकार के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने आज प्रेस कांफ्रेस कर बताया कि मप्र के ग्रीन जोन वाले जिले से ग्रीन जोन वाले अन्य जिले में जाने के लिए कोई भी पास की आवश्यकता की जरूरत नहीं रहेगी। नरोत्तम मिश्रा ने यह भी बताया कि शराब ठेकेदारों पर सरकार ने अब शिकंजा कसना शुरू कर दिया है जो भी ठेकेदार शराब की दुकानें नहीं खोल रहे हैं उनकी ठेके की निरस्ती की कार्यवाही की जाएगी और उनसे राजस्व की वसूली भी की जाएगी। इसके अलावा छोटे समूहों को नए सिरे से ठेकेदार की कार्यवाही की जाएगी। इसके लिए प्रोग्राम तैयार किया जा रहा है। गौरतलब हो कि प्रदेश भर के शराब ठेकेदार लामबंद होकर सरकार से विभिन्न प्रकार की मांगे मानने के लिए मजबूर कर रहे हैं। सरकार के पास ठेकेदारों से निपटने के लिए एक ही विकल्प बचा हुआ है। इन ठेकेदारों के लायसेंस निरस्त किए जाएं और नए सिरे से छोटे छोटे समूहों को ठेका दिया जाए। सरकार के मंत्री नरोत्तम मिश्रा ठेकेदारों को लगातार दबाव बनाकर दुकान खोलने के लिए बाध्य कर रहे हैं लेकिन बड़े ठेकेदार रॉयल्टी कम करने की मांग को लेकर दुकान नहीं खोल रहे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि उनका पीक सीजन अब समाप्त हो चुका है ऐसे में शराब की ठेके की राशि देना असंभव है। जिसके चलते प्रदेश भर के ठेकेदार सरकार पर दबाव बनाकर रॉयल्टी कम कराने की मां कर रहे हैं। अब देखना है कि आने वाले समय में सरकार इन ठेकेदारों से कैसे निपटती है।

इंदौर में कोरोना से वरिष्ठ डॉक्टर की मौत अब तक कुल 3 चिकित्सकों ने दम तोड़ा

इंदौर। देश में कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित जिलों में शामिल इंदौर में इस महामारी की जद में आये एक डॉक्टर की मौत हो गयी है। इसके साथ ही, जिले में इस महामारी से दम तोड़ने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 110 पर पहुंच गयी है जिनमें तीन चिकित्सक शामिल हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. प्रवीण जड़िया ने शुक्रवार को बताया कि कोविड-19 से संक्रमित होने के बाद 67 वर्षीय डॉक्टर शहर के एक निजी अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती थे। उन्होंने कहा, तमाम कोशिशों के बावजूद वरिष्ठ डॉक्टर की जान नहीं बचायी जा सकी। उन्होंने बृहस्पतिवार शाम अस्पताल में आखिरी सांस ली। डॉ. जड़िया ने बताया कि कोविड-19 से दम तोड़ने वाले जनरल फिजिशियन निजी प्रैक्टिस करते थे। हालांकि, जब वह कोविड-19 की जद में आये, तब शहर में इस महामारी का संक्रमण रोकने के उपाय के तहत निजी क्लिनिक चलाये जाने पर रोक लगी थी।सीएमएचओ ने बताया कि पता लगाया जा रहा है कि वरिष्ठ डॉक्टर कोविड-19 से किस तरह संक्रमित हुए थे। जिले में गुजरे डेढ़ महीने के दौरान 62 वर्षीय जनरल फिजिशियन और 65 वर्षीय आयुर्वेद चिकित्सक की भी कोविड-19 से मृत्यु हो चुकी है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक कोविड-19 का प्रकोप बरकरार रहने के कारण इंदौर जिला रेड जोन में बना हुआ है। जिले में इस महामारी के मरीजों की संख्या बढ़कर 2,850 पर पहुंच गयी है। इनमें से 110 मरीजों की मौत हो चुकी है।

चालू बिजली लाइन टूटने पर बिजली विभाग को फौरन सूचना दें

ग्वालियर। विद्युत वितरण कंपनियों ने नागरिकों से अपील की है कि विद्युत लाइनों, उपकरणों एवं खंभों से छेड़खानी करना विद्युत अधिनियम 2003 के अंतर्गत दण्डनीय अपराध है। जरा-सी असावधानी या छेड़खानी से बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। ऐसी लाइनें जिनमें विद्युत शक्ति प्रवाहित होती है, यदि आंधी-तूफान या अन्य किसी कारण से टूट जाती हैं या जमीन पर गिर जाती हैं तो उन्हें छूकर खतरा मोल न लें। लाइन टूटने की सूचना शीघ्र ही निकटस्थ बिजली कंपनी के कार्यालय में वहां के प्रभारी अधिकारी अथवा विद्युत कर्मचारी को दें। ऐसी सूचना काल सेंटर 1912 पर भी दे सकते हैं। खेतों और खलिहानों में ऊँची-ऊँची घास की गंजी, कटी फसल की ढेरियाँ तथा झोपड़ी, मकान अथवा तंबू आदि विद्युत लाइनों के नीचे अथवा अत्यंत समीप न बनाएं। विद्युत लाइनों के नीचे से अनाज, भूसे आदि की ऊँची भरी हुई गाड़ियाँ (चालू लाईन) न निकालें, इससे आग लगने का खतरा रहता है। यदि कोई व्यक्ति चालू लाइन के तारों के संपर्क में आ जाता है तो स्विच से विद्युत प्रवाह तुरंत बंद कर दें। यदि स्विच बंद न कर सकें तो दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सूखी रस्सी, सूखा कपड़ा या सूखी लकड़ी की सहायता से सजीव तारों से अलग करें। ऐसा न करने से सहायता करने वाले को भी शॉक लग सकता है। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सजीव तारों से शीघ्र ही अलग करें क्योंकि एक सेकेण्ड की देरी भी घातक हो सकती है। दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को सूखी जमीन या सूखे फर्श पर लिटाएँ एवं कृत्रिम सांस देकर उसका प्राथमिक उपचार करें।

अफवाह फैलाने पर होगी दंडात्मक कार्यवाही: मंत्री डॉ. मिश्रा

फेक न्यूज और अफवाहों से रहे सावधान

भोपाल। गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने अफवाह फैलाने वालों पर सख्त दण्डात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए है। उन्होंने कोविड-19 और आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधिकारियों को मध्यप्रदेश में शांति और सद्भाव बनाये रखने के लिये सभी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये है। डॉ. मिश्रा ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों में चलने वाली फेक न्यूज और अफवाहों से सजग एवं सतर्क रहते हुए सावधानी बरते। डॉ. मिश्रा ने पुलिस अधिकारियों को फेक न्यूज और अफवाहों जैसी गलत जानकारी फैलाने वाले आसामाजिक तत्वों के विरूद्ध कड़ी दण्डात्मक कार्यवाही करने को कहा है।

विभिन्न प्रदेशों से श्रमिकों की वापसी का सिलसिला जारी

अब तक 5 लाख 14 हजार श्रमिक वापस

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार विभिन्न प्रदेशों में फँसे श्रमिकों का वापस लाने का कार्य लगातार जारी है। अब तक 5 लाख 14 हजार श्रमिक विभिन्न प्रदेशों से वापस लाये जा चुके हैं जिनमें से करीब 3 लाख 60 हजार श्रमिक बसों से और एक लाख 54 हजार ट्रेनों से लाये गये हैं। अपर मुख्य सचिव एवं प्रभारी स्टेट कंट्रोल रूम श्री आई.सी.पी. केशरी ने जानकारी दी है कि अब तक गुजरात से 2 लाख 5 हजार, राजस्थान से एक लाख 13 हजार, महाराष्ट्र से एक लाख 20 हजार श्रमिक वापस लाये गये हैं। इसके साथ ही गोवा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, केरल, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु और तेलंगाना से भी श्रमिक लाये गये हैं। श्री केशरी ने बताया कि अब तक 122 ट्रेन आ चुकी हैं। मुख्य रूप से महाराष्ट्र से 35, गुजरात से 27, हरियाणा से 15, तेलंगाना और पंजाब से 7-7, कर्नाटक से 4, गोवा से 3 और तमिलनाडु, केरल राजस्थान दिल्ली और जम्मू से 2-2 ट्रेनें आ चुकी हैं। कुल 130 ट्रेन आने की संभावना है। 3.70 लाख श्रमिकों को अन्य प्रदेशों की सीमा तक पहुँचाया। अभी तक प्रदेश के बाहर के करीब 3 लाख 70 हजार श्रमिकों को अन्य प्रदेशों की सीमा तक बसों से पहुँचाया जा चुका है। इस कार्य में आज से 800 बसें और जोड़ दी गई हैं।

अम्बाह यंग एसआई सतैन्द्र सिसौदिया की बड़ी कार्यवाही

अम्बाह। अम्बाह के पास लुखरियाई श्यामपुर के बीच 9 जुआरियो जुआ खेलते पकड़े गये। जुआरियो से लगभग 5000 रू की राशि नगद बरामद की गई पुलिस के लॉक डाउन ड्यूटी मे व्यस्त होने का फायदा उठाकर उक्त जुआरी क्षेत्र में एकत्रित होकर जुआ खेल रहे थे जुआरियो पर जुआ एक्ट के तहत अपराध प्रकरण पंजीबद्ध कर कारवाही की गई मुख्य भूमिका एसआई सतैन्द्र सिसौदिया आरक्षक महेश शर्मा ब्रजेश सेगर सुभाष यादव .नरेन्द्र मोर्य, आर.सतेन्द्र गुर्जर , जोगेन्द्र भदौरिया ,आर आनन्द शर्मा ,चालक निरंजन, की रही...

पुलिस विभाग का नाम रोशन करने वाले पुलिस कर्मी को बिलासपुर पुलिस अधीक्षक ने किया सम्मानित

अभिषेक मिश्रा बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

यह शायद पहला मौका है जब पुलिस विभाग द्वारा पीड़ित मानवता को राहत पहुंचाने के लिए न सिर्फ उत्कृष्ट सोच रखने वाले बल्कि अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर सहयोग करने वाले पुलिस कर्मी और उसकी पत्नी को जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया हो। यह जिला पुलिस प्रमुख की दूरदर्शी सोच है कि उन्होंने इस मामले को गंभीरता और मर्म को समझते हुए पुलिस कर्मी और उनकी पत्नी को प्रशस्ति पत्र व 11सौ -11 सौ रूपए नकद राशि बतौर ईनाम देकर समाज में मानव सेवा करने का सन्देश दिया है। जी हां यहां पर बिलासपुर पुलिस विभाग के उस मुख्य आरक्षी प्रकाश चंद बंसल की बात हो रही है जिसने लॉकडाऊन के समय में एक कोलकाता से हिमाचल घूमने आए टूरिस्ट परिवार को अपने घर में सहारा दिया और उनका तमाम खर्च वे स्वयं वहन कर रहे हैं। शनिवार को अधिकांश समाचार पत्रों ने इस समाचार को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। एसपी बिलासपुर दिवाकर शर्मा ने विभाग का नाम रोशन करने वाले इस पुलिस कर्मी को स्वयं फोन के माध्यम से बधाई दी और उनसे

उनकी पत्नी किरण बंसल का संपर्क सूत्र लेकर उनके भी बात की, एसपी ने पीसी बंसल की पत्नी की भी मुक्तकंठ से प्रशंसा की क्योंकि असहज दिखने वाले इस कार्य को आधी दुनिया की सहमति के बिना करना असंभव है। पुलिस विभाग के कप्तान से बात कर यह युगल बहुत प्रसन्न दिखा। शनिवार को हालांकि एसपी बिलासपुर ने प्रकाश चंद बसल के कार्य की सराहना करते हुए कार्यालय बुलाया लेकिन डैहर पुल पर नाके पर अपनी सेवाएं दे रहे प्रकाश चंद के पास कोई रिलीवर न होने के कारण वह आने में असमर्थ रहे। बावजूद इसके एसपी बिलासपुर ने पति पत्नी के नाम दो प्रशस्ति पत्र और 11-11 सौ रूपए देकर इस युगल का हौंसला बढ़ाया है। गौर हो कि कोलकाता से आए इस परिवार के लिए लॉकडाउन में जब जाने के सभी रास्ते बंद हो गए और मुसीबतें बढ़ने लगी थी तो प्रकाश चंद बंसल ने इस परिवार को अपने घर में आश्रय दिया। जहां पर यह बंगाली परिवार बहुत खुश है। इस परिवार की बेटे फैंटेसी ने फोन पर हुई बात से यहां पर किसी प्रकार की कोई कमी न होने तथा आंतरिक खुशी को सांझा किया। वहीं प्रकाश चंद बंसल ने बताया कि एसपी बिलासपुर का उनके लिए फोन पर शाबाशी देना सीना चैड़ा करने जैसा अनुभव है। उन्होंने अपनी और अपनी पत्नी किरण की ओर से एसपी बिलासपुर का दिल से धन्यवाद किया है।

300 नशीली गोलियों के साथ 29 वर्षीय युवक गिरफ्तार

पुलिस को देख भागने की कि कोशिश

अभिषेक मिश्रा बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश)

नशे का अवैध धंधा करने वाले लोगो के खिलाफ बिलासपुर पुलिस की सुरक्षा शाखा द्वारा छेड़ी गई सर्जिकल स्ट्राइक में शनिवार को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है !

बिलासपुर पुलिस की सुरक्षा शाखा टीम ने नशे के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करते हुए एक युवक से 300 नशीली गोलिया बरामद की ! प्राप्त सुचना के अनुसार सुरक्षा शाखा की टीम हेड कांस्टेबल सुरेंदर कुमार के नेत्रित्व में कांस्टेबल प्रदीप ठाकुर व बाबु राम के साथ ब्रह्मपुखर क्षेत्र में गश्त पर थी ! इस दौरान सुरक्षा शाखा की टीम विनायकघाट के पास एक दूकान पर चाय पिने के लिए रुक गए ! जैसे ही यह टीम वहा चाय पी रही थी उसी समय एक युवक पैदल ब्रह्मपुखर की तरफ से आया जैसे ही इस युवक ने दूकान पर पुलिस की टीम देखि वैसे ही यह युवक एकदम से डर गया और वहा से तेज कदमो के साथ बंदला की तरफ को जाने लगा ! जिस पर सुरक्षा शाखा की टीम को एस व्यक्ति पर शक हुआ और उन्होंने इसे रुकने के लिए बोला जैसे ही इस युवक ने पुलिस की आवाज सुनी वैसे ही यह भागने लगा ! जिस पर सुरक्षा शाखा की टीम ने भाग कर इसे पकड़ा ! जैसे ही इस युवक को सुरक्षा शाखा कि टीम ने पकड़ा वैसे ही इसने अपने हाथ से एक लिफाफा सड़क किनारे फेंक दिया ! जब सुरक्षा शाखा की टीम ने इस लिफाफे को खोल कर देखा तो इसमें दवाई के पत्ते थे जब इन्हें खोल कर देखा तो इस लिफ़ाफ़े में दवाई के 20 पत्ते मिले और हर एक पत्ते में 10-10 द्रद्द की 15 गोलिया थी ! गौरतलब है कि इस नशीली दवाई को प्रदेश सरकार ने प्रतिबंधित किया हुआ है और कई नशेडी लोग इस दवाई का सेवन करके नशा करते है ! सुरक्षा शाखा की टीम ने 10 प्रतिबंधित नशीली दवाई पकडे जाने पर इस युवक को हिरासत में लेकर इसके विरुद्ध एक्ट की धारा 22 के तहत मामला दर्ज कर युवक को हिरासत में ले लिए है ! आरोपी युवक की शिनाख्त चंद्रशेखर पुत्र सुरेन्द्र सिंह गाँव परनाली डा बंदला जिला बिलासपुर उम्र 29 वर्ष के रूप में हुई है !

रहवासी इलाके में छुपाकर रखा था 5 लाख का थिनर, क्राइम ब्रांच ने किया बरामद

हो सकती थी बड़ी घटना, पुलिस टीम कर रही है मामले की जांच

भोपाल

शहर के बीचोंबीच बड़ी मात्रा में थिनर मिलने से लोगों में दहशत फैल गई है। दरअसल कुछ लोगों ने अपने घर में 5 लाख रुपए कीमत का थिनर जो कि अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ होता है। छुपाकर रखा था, शिकायत मिलने के बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने थिनर को बरामद कर लिया है। साथ ही थिनर रखने वाले कर्मचारियों से उसके दस्तावेज मांगे तो वह उपलब्ध नहीं करवा सके हैं। पुलिस यदि समय रहते थिनर बरामद नहीं करती ते बड़ी घटना हो सकती थी। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। क्राइम ब्रांच से मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को एक शिकायत मिली थी कि रहवासी क्षेत्र भोपाल आई अस्पताल के सामने मोदी अपार्टमेंट में अवैध रूप से अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ थिनर रखा हुआ है।

ग्वालियर में पिछले दिनों थिनर में आग लगने से बड़ी घटना हुई थी। इस वजह से कार्रवाई की जाए। मिली शिकायत के बाद मामला अनेक जिंदगियों से जुड़ा हुआ था, इससे फरियादी से फोन पर बातची की गई और हालात का जायजा लिय गया। इसके बाद पुलिस बल और शासकीय अटैच वाहन के साथ बताए पते सिंधी कॉलोनी नादरा बस स्टैंड के पास रवाना किया गया। फरियादी ने भोपाल आई अस्पताल के पास मोदी अपार्टमेंट का पता बताया था। इससे पुलिलस टीम वहां पहुंची और रहवासियों से पूछताछ की। इसके बाद मोदी अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर में बने फ्लैट में अंदर पहुंचकर पड़ताल की। जिसमें एमपी इन्टरप्राइसेस नाम से एक कार्यालय बना हुआ था। उक्त फ्लैट में बड़ी मात्रा में थिनर भरा हुआ था। जहां दो कर्मचारी मिले, जिन्होंने अपनी पहचान नारियलखेड़ा निवासी 35 वर्षीय मोहन पिता खिलान सिंह और धर्मकांटा निवासी 38 वर्षीय अर्जुन पिता परशुराम विश्वकर्मा के रूप में बताई है। पुलिस ने उनसे थिनर के बारे में पूछा तो उन्होंने बताया कि कानपुर कैट निवासी 41 वर्षीय अखिलेश पिता सतीश गुप्त का थिनर है।

नहीं दिखा सके प्रमाणित दस्तावेज

पुलिस ने बताया कि कर्मचारियों से प्रमाणित दस्तावेज मांगे तो वह नहीं दिखा सके। साथ ही रहवासियों ने शिकायत दर्ज करवाई थी। इस वजह से अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ को बरामद किया गया है। जिसकी कीमत करीब 5 लाख 44 हजार 500 रुपए है। जब्त किया गया थिनर 3 हजार 630 लीटर है।

जांच के बाद करेगी सख्त कार्रवाई

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। रहवासी इलाके में ऑफिस खोलकर इतनी बडी मात्रा में थिनर को रखा जाना। लेकिन उसके कोई ठोस दस्तावेज नहीं मिलना। तमाम बिंदुओं पर पुलिस जांच कर रही है, साथ ही पूछताछ व बयान दर्ज करने के बाद जो भी सामने आएगा। उसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी।

लॉकडाउन में चाइल्ड लाइन के पास ऑनलाइन सामने आए 12 मामले

सोशल मीडिया पर बाल शोषण का शिकार हो रहे बच्चे, बढ़ रहा अपराधों का ग्राफ

भोपाल

इन दिनों सोशल मीडिया पर बाल शोषण के मामलों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है। लॉकडाउन के दौरान चाइल्ड लाइन के पास करीब 12 मामले पहुंचे हैं। दरअसल लॉकडाउन के दौरान बच्चे ऑनलाइन कक्षाओं के माध्यम से पढ़ाई कर रहे हैं इससे वह सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं। चाइल्ड लाइन के हेल्पलाइन नंबर 1098 पर बाल शोषण की काफी शिकायतें मिल रही हैं। चाइल्ड लाइन के पास लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन बाल शोषण के करीब 12 केस सामने आए हैं। इसमें 14 से 18 वर्ष के किशोर- किशोरियों के मामले शामिल हैं। इन सभी मामलों की काउंसिलिंग कर सुलझाया जा रहा है। वहीं, एक या दो प्रकरण की शिकायत थाने में हुई है। चाइल्ड लाइन की टीम बाल शोषण से बचने के लिए बच्चों को जागरूक भी कर रही है। अधिकारी का मानना है कि बच्चे अभी सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव हैं, इसलिए यह समस्या आ रही है।

रखनी होगी परिजनों को बच्चों पर नजर

चाइल्ड लाइन की काउंसलर का कहना है कि आजकल लोगों का अधिक समय सोशल मीडिया पर बीत रह है। बच्चों के लिए ऑनलाइन क्लासेस भी चल रही हैं। ऐसे में बच्चों को इंटरनेट से दूर नहीं रखा जा सकता है, लेकिन उन्हें अच्छे-बुरे के बारे में बताना होगा। अभिभावकों को भी बच्चों द्वारा चलाए जा रहे इंटरनेट की जानकारी रखनी होगी।

बचाव के लिए यह उपाय हैं जरूरी

सोशल मीडिया पर फोटो अधिक शेयर न करें, सोशल मीडिया पर अपने बारे में जानकारी न डालें, किसी अनजान से ऑनलाइन चैटिंग न करें, कोई भी ऐसी बात हो तो अभिभावकों को जरूर बताएं, मातापिता अपने बच्चों पर निगरानी रखें।

की जाती है बच्चों की काउंसलिंग

बच्चों की सुरक्षा और कल्याण से जुड़े एक्सपर्ट्स का कहना है कि लॉकडाउन के दौरान सोशल मीडिया के जरिए बाल शोषण के मामले बढ़े हैं। कई बच्चे अपने माता-पिता के डर से भी शिकायत नहीं करते हैं। ऐसे मामलों के बारे में बच्चों की काउंसिलिंग की जाती है।

इन मामलों में दर्ज हुई एफआईआर

मामला एक - पिपलानी में एक 16 वर्षीय किशोरी को एक युवक सोशल मीडिया से फोटो लेकर उसकी एडिटिंग कर उसे वायरल करने की धमकी देने लगा। मामले की शिकायत किशोरी ने चाइल्ड लाइन में की। इसके बाद भी युवक नहीं माना तो थाने में शिकायत की गई।

मामला दो - शाहपुरा में एक 17 वर्षीय लड़की ने कॉल किया कि सोशल मीडिया पर उसकी फोटो के साथ उसके स्कूल के एक सीनियर छात्र ने छेड़छाड़ की है। उसने बताया कि उसे मैसेज करके भी वह परेशान कर रहा है। मामले में छात्र को समझाया गया।

मुखबिरी के शक में बदमाशों ने चलाई गोलियां, लोगों में दहशत

प्रकरण दर्ज कर तलाश में जुटी पुलिस, नहीं लगा सुराग

भोपाल

राजधानी में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं, लॉकडाउन के बीच बदमाश हवाई फायर कर लोगों में दहशत फैला रहे हैं। दरअसल कमलानगर थाना इलाके में लॉकडाउन के बीच सख्त पुलिस पहरे में बदमाशों ने मुखबिरी के शक में हवाई फायर कर दिया। जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। हालांकि गोली किसी को लगी नहीं है।

पुलिस ने इस मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 36 वर्षीय वंदना पवार पुरानी बस्ती शबरी नगर में रहती हैं। वह गृहणी हैं, जबकि उसके दो बेटे लाला पवांर और रोहित पवांर है। दोनों पर पूर्व में आधा दर्जन से अधिक अपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। मोहल्ले में ही आरोपी लालू यादव भी रहता है। वह भी पुराना अपराधी है। लालू को पिछले कुछ समय से पुलिस निगरानी में रखे है। उसे संदेह था कि लाला और रोहित उसकी मुखबिरी करते हैं। किसी भी फर्जी मुकदमे में फंसाकर उसे जेल भिजवा सकते हैं। इसी संदेह के चलते बीते कुछ दिनों से दोनों की गैंग में ठनी हुई थी। गुरुवार दोपहर को लालू अपने साथियों के साथ रोहित और लाला के घर पहुंचे।

जहां दोनों के नहीं मिलने की हालत में में लालू ने मोहल्ले में दहशत फैलाने की नियत से कट्टे से फायर कर दिया। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। हमले की मुख्य वजह का पता नहीं चल सका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। साथ ही पुलिस अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर सकी है, पुलिस का कहना है कि टीमें तलाश में जुटी हैं जल्द ही सफलता मिल जाएगी।

महिला अपराध शाखा ने शुरू किया जन-जागरण कार्यक्रम

पीड़िता द्वारा बताए स्थान पर लिखी जाएगी एफआईआर

भोपाल

पीड़ित महिलाओं एवं बच्चों को विशेष कानूनी अधिकार प्राप्त हैं। पुलिस मुख्यालय की महिला अपराध शाखा द्वारा महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित इन कानूनी अधिकारों के बारे में लोगों को जागरूक किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार लैंगिक अपराधों से पीड़ित महिलाओं को विशेष कानूनी अधिकार हैं। पीड़ित महिला की एफआईआर महिला अधिकारी को लिखनी होती है। एफआईआर पीड़ित के निवास या पीड़ित द्वारा बताए गए वैकल्पिक स्थान पर लिखे जाने का प्रावधान है। गंभीर अपराधों मसलन यौन अपराधों में लिप्त 16 से 18 आयु वर्ष के बालकों के खिलाफ भी वयस्क व्यक्ति की तरह सक्षम न्यायालय द्वारा विचारण करने का आदेश दिया जा सकता है। जेजे एक्ट-2015 के सेक्सन 15 व 18 में इस आशय का प्रावधान है। पुलिस मुख्यालय की महिला अपराध शाखा द्वारा महिलाओं व बच्चों के कानूनी अधिकारों को लेकर जन जागरण के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पोक्सो एक्ट एवं अन्य कानूनी प्रावधानों का बारीकी से पालन करने के संबंध में समय-समय पर स्पष्ट दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

व्यापारी की पत्नी ने सल्फास खाकर की खुदकुशी, जांच शुरु

भोपाल

कोलार इलाके में व्यापारी की पत्नी ने सल्फास की गोलियां खाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक विजयपुरी पिता चेतेश्वर पूरी (53) राजहंस कॉलोनी में रहती थी। महिला अपने पति और दो बच्चों के साथ रहती है। उसके पति की हार्डवेयर की दुकान है। बीती 19 मई को अपने घर में रखी सल्फास की गोलियां खा ली थी। तबियत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उपचार के दौरान बुधवार दोपहर महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर उसे पीएम के लिए भेज दिया। महिला के परिजनों ने पुलिस को बताया कि उसे ब्लड प्रेशर की शिकायत थी। जिसको लेकर वह तनाव में रहती थी।

ट्रेन से कटकर युवक की मौत

भोपाल के संत हिरदाराम नगर में शुक्रवार सुबह एक दिव्यांग युवक ट्रेन से कट गया। पुलिस के मुताबिक विजय यादव नाम का युवक बैरागढ़ टेकरी के पास का रहने वाला था। वह गूंगा और बहरा था। आशंका जताई जा रही है कि वह रेलवे पटरी पार कर रहा होगा, इसी बीच ट्रेन की चपेट में आ गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

हादसे में घायल अधेड़ की मौत

सुखीसेवनिया पुलिस ने बताया कि 44 वर्षीय सुधीर कुमार द्वारका धाम में रहते थे। दो दिन पहले वह खुद की बाइक स्लिप होने से घायल हो गए थे। उनका इलाज अस्पताल में चल रहा था। जहां बुधवार देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव बरामद कर उसे पीएम के लिए भेज दिया।

कुएं में मिली युवक की लाश

नजीराबाद थाना इलाके में गुरुवार को पुलिस ने एक कुएं से अज्ञात युवक की लाश बरामद की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया था। पुलिस के मुताबिक नजीराबाद स्थित एक खेत में बने कुएं में लाश होने की सूचना मिली थी। इससे मौके पर पहुंची पुलिस ने कुएं से एक अज्ञात लाश को बरामद किया है। जिसकी उम्र करीब 25 स 30 साल बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कंटेनमेंट एरिया से 126 परिवारों को किया ग्रीन जोन में शिफ्ट

इनमें पुलिसकर्मी सहित 250 लोग हैं शामिल

भोपाल

राजधानी के कंटेनमेंट क्षेत्रों में रहने वाले भोपाल पुलिस ने 126 परिवारों को ग्रीन जोन में शिफ्ट कर दिया है। जिसमें पुलिसकर्मी समेत 250 लोग शामिल हैं, उनमें महिलाए, बच्चे और बुजुर्ग भी मौजूद हैं। इतना ही नहीं उनका मेडिकल परीक्षण भी किया गया है। जिन पुलिसकर्मियों के परिवार के सदस्य संदिग्ध मिले, उन्हें घर में क्वारेंटाइन रहने की सलाह दी गई है। साथ ही राहत की बात यह है कि पुलिस परिवार में एक भी मरीज मेडिकल जांच में कोरोना पॉजिटीव नहीं मिला। बताया जाता है कि कंटेनमेंट इलाकों में रहने वाले उन पुलिसकर्मियों को शिफ्ट नहीं किया गया है, जो वहां रहना चाहते हैं। जिला पुलिस बल के जवानों के परिवारों को भोपाल पुलिस ने रेड जोन में आते ही कंटेनमेंट क्षेत्र में रहने वाले पुलिस परिवार को शिफ्ट करने का काम शुरू कर दिया है।

अब होटल में शिफ्ट हुए पुलिसकर्मी

कोरोना को लेकर चल रही ड्यूटी में तैनात पुलिसकर्मी अब भी होटल में रह रहे हैं। सुरक्षा को देखते हुए उनकी रोजाना ही स्कीनिंग की जा रही है। दोपहर में गर्मी को देखते हुए उन्हें आहार दिया जा रहा है। इसके अलावा पीने के लिए उन्हें पानी के साथ ओआरएस भी दिया जा रहा है। जिला पुलिस बल के 78, पीएचक्यू के 49 और सातवीं वाहिनी के 29 पुलिसकर्मी शिफ्ट किए गए हैं। वहीं आरआई दीपक पाटिल का कहना है कि डेंजर जोन में कोरोना के संक्रमण खतरे को देखते हुए अभी 126 परिवारों को सुरक्षित क्षेत्र में शिफ्ट किया गया है।

हादसे में घायल हुए साले ने तोड़ा दम

भोपाल। परवलिया थाना इलाके में पिछले दिनों हुए सड़क हादसे में घायल युवक ने दम तोड़ दिया। जबकि उसके जीजा की पहले ही मौत हो चुकी है। पुलिस न मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया था। परवलिया पुलिस ने बताया कि जहांगीराबाद निवासी 38 वर्षीय अविनाश बाथम पिता नारायण अपने जीजा अरविंद रैकवार के साथ वेयर हाउस में काम करते थे।

बीती 17 मई को जीजा और साले अपनी बाइक पर सवार होकर नरसिंहगढ़ से लौट रहे थे। तभी उनकी बाइक को कंटेनर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में जीजा अरविंद रैकवार की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि साला अविनाश गंभीर रूप से घायल हो गया था। गुरुवार देर शाम साले अविनाश ने भी दम तोड़ दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भेज दिया।

किशोर ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, मर्ग कायम

भोपाल

अवधपुरी थाना इलाके में गुरुवार को एक किशोर ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है।

पुलिस मुताबिक बीडीए कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय सूरज झारिया पिता राजेंद्र प्रसाद मजदूरी करता था। जबकि उसके पिता प्लंबर हैं। आठवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद उसने स्कूल छोड़ दिया था। गुरुवार शाम करीब साढ़े पांच बजे उसने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली थी। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस का कहना है जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करेगी। जिससे उसकी मौत की वजह का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मनचले ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ कर की मारपीट

पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर शुरू की तलाश

भोपाल

कोलार थाना इलाके में मनचले ने एक किशोरी के साथ छेड़छाड़ करने के साथ मारपीट कर दी। इससे वह घायल हो गई और आरोपी मौके से फरार हो गया। वहीं शाहपुरा थाना इलाके में मनचले ने नाबालिग को अश्लील इशारे करने के साथ ही छेड़छाड़ कर दी। पुलिस ने दोनों मामलों में पीड़िताओं की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस के मुताबिक एक 17 वर्षीय किशोरी ने बताया कि वह दसवीं तक पढ़ाई कर चुकी है। उसके मोहल्लें 19 वर्षीय नीलेश अहिरवार नाम का मनचला रहता है। वह बीते कई महीनों से उसका पीछा कर छेड़छाड़ कर रा है। गुरुवार को नीलेश ने उसे रोक लिया, जब वह अपनी सहेली के साथ जा रही थी। तब ही उसने बुरी नियत से हाथ पकड़कर छेड़छाड़ कर दी। जब उसने व उसकी सहेलियों ने विरोध किया तो उसने मारपीट कर दी और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

करता था गंदे इशारे

वहीं शाहपुरा पुलिस को एक 38 वर्षीय महिला ने बताया कि सूरज सिंह नाम का मनचला उसकी 14 वर्षीय बेटी के अश्लील इशारे कर परेशान करता है। उसने गुरुवार को उसके साथ छेड़छाड़ कर दी और विरोध करने पर मारने की धमकी दी है। कोलार पुलिस ने आरोपी नीलेश के खिलाफ गाली - गलौज, मारपीट, धमकी, छेड़छाड़ की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। जबकि शाहपुरा पुलिस ने आरोपी सूरज के खिलाफ छेड़छाड़ व अश्लील इशारे करने का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत भी कार्रवाई की है।

युवक ने गाली देने का किया विरोध, बदमाश ने चाकू से गोदा

भोपाल। टीटीनगर थाना इलाके में गुरुवार को एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। दरअसल एक बदमाश फरियादी को बेवजह गालियां दे रहा था। इससे उसने जब बदमाश का विरोध किया तो उसने चाकू से हमला कर दिया। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक नेपाली मोहल्ला, जहांगीराबाद निवासी 18 वर्षीय आकाश थापा पिता तुलसी थापा चाय की होटल पर काम करता है। उसने बताया कि गुरुवार दोपहर वह तुलसी नगर से गुजर रहा था। तभी उसने रास्ते में देखा कि उसके दोस्त रविंद्र को एक अज्ञात व्यक्ति गाली गलौच कर रहा है। जबकि रविंद्र ने उसे गाली देने से मना किया तो आरोपी युवक ने उसके साथ मारपीट कर पेट में चाकू घोंप दिया। चीख पुकान करने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।

सावधानी — किया जाएगा हॉस्पिटल इन्फेक्शन कंट्रोल कमेटी का गठन

कोरोना अस्पतालों में सेवाएं दे रहे स्वास्थ्य कर्मचारी रखेंगे एक-दूसरे का पूरा ध्यान

भोपाल

कोरोना के बढ़ते मरीजों को देखते हुए अब प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। कोरोना अस्पतालों में सेवाएं दे रहे स्वास्थ्य कर्मचारी एक दूसरे का ध्यान रखेंगे। इसके लिए सभी अस्पतालों में हॉस्पिटल इन्फेक्शन कंट्रोल कमेटी का गठन किया जाएग। ये समिति कोरोना ड्यूटी में लगे डॉक्टर, हॉस्पिटल स्टाफ के स्वास्थ्य की निगरानी करेगी इसमें मुख्य तौर अस्पतालों में कार्यरत स्टाफ को व्यक्तिगत सुरक्षा साधनों, पीपीई किट का उपयोग करते समय विशेष सावधानी रखने के लिए कहा गया है।

यदि पीपीई किट उतारते वक्त संक्रमित होने का खतरा महसूस होता है तो कर्मचारी अपने नोडल

ऑफिसर को सूचित कर रिस्क का असेसमेंट करेगा। नोडल अधिकारी द्वारा बनाई गई समिति हाई और लो रिस्क का आकलन करेंगे। स्टाफ में से दो- तीन सदस्यों के आपस में ग्रुप बनाकर बड़े सिस्टम के तहत एक दूसरे की सुरक्षा का ख्याल रखा जायेगा। यदि पर्सनल प्रोटेक्शन में चूक हुई तो बड़े ग्रुप के सदस्य इसकी निगरानी करेंगे। इसके साथ ही स्टाफ के लोग ओपीडी, वार्ड, आईसीयू में ड्यूटी के बाद अस्पताल के बाहर अपने अपने रूम,हॉस्टल ,कैंटीन में सामाजिक दूरी का भी पालन करेंगे। अब यह कहा गया है गर्भवती और धात्री महिला कर्मचारियों की ड्यूटी कोविड हॉस्पिटल में न लगाई जाए।

हेल्थ वर्कर्स में कोरोना के लक्षणों के आधार पर उन्हें क्वारेंटाइन और ट्रीटमेंट के लिए चिन्हित अस्पतालों में भेजा जाएगा। प्री सिंप्टोमेटिक पेशेंट्स को होम आइसोलेशन में रखा जाएगा । यदि घर पर व्यवस्था नहीं है तो कोविड केयर सेंटर में भर्ती किया जाएगा । मध्यम लक्षण वाले मरीजों को ऑक्सीजन थेरेपी की जरूरत होने के कारण डेडिकेटेड कोविड हेल्थ सेंटर में भेजा जाएगा । गंभीर मरीजों को डेडिकेटेड कोविड हॉस्पिटल में भर्ती कर इलाज किया जाएगा।

संपादकीय

विश्व को सेहतमंद बनाने की कूटनीति

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की 73वीं विश्व स्वास्थ्य महासभा आज से शुरू हो रही है। कोविड-19 महामारी के कारण इसे वर्चुअल यानी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा आयोजित किया जा रहा है। महासभा में संगठन के सभी 194 देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे, और मुमकिन है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश कोरोना वायरस से निपटने के तौर-तरीकों को लेकर डब्ल्यूएचओ और इसके प्रमुख टेड्रोस अधानोम गेब्रेयेसस की तीखी आलोचना करें। हालांकि चीन भी उतनी ही तत्परता से उनका बचाव करेगा। इस दो दिवसीय महासभा में विश्व स्वास्थ्य संगठन के कार्यकारी बोर्ड का भी चुनाव किया जाएगा, जिसमें 34 सदस्य होते हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य महासभा जहां संगठन की बुनियादी नीतियां व बजट तय करती है, तो वहीं कार्यकारी बोर्ड महानिदेशक के नेतृत्व में काम करने वाले स्थाई सचिवालय के माध्यम से उन्हें लागू करता है। इस बार बोर्ड में भारत को भी शामिल किया जा रहा है, और करीब-करीब तय है कि 22 मई को एक साल के कार्यकाल के लिए उसे कार्यकारी बोर्ड का अध्यक्ष भी बनाया जाए। जाहिर है, भारत पर एक बड़ी जिम्मेदारी आने वाली है, वह भी उस समय, जब हालात विषम हैं और विश्व स्वास्थ्य संगठन के इतिहास में विवादास्पद भी। प्रतिकूल राजनीतिक व कूटनीतिक परिस्थितियों का सामना भारत को करना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि अमेरिका और चीन एक-दूसरे पर जमकर निशाना साधेंगे। ऐसा फिलहाल दो मुद्दों को लेकर होगा। पहला मुद्दा विश्व स्वास्थ्य संगठन में ताइवान की भागीदारी से जुड़ा है, जबकि दूसरा है, संगठन द्वारा कोविड-19 से निपटने के तौर-तरीकों पर अमेरिकी ऐतराज और चीन का समर्थन। चीन औपचारिक रूप से ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। इसका मतलब यह है कि वह ताइवान को एक आजाद मुल्क के रूप में स्वीकार नहीं करता। जबकि ताइवान मूल रूप से अपनी अलग पहचान बनाए रखना चाहता है। हालांकि उसके कुछ नेता आजादी पर जोर देते हैं, लेकिन अन्य इस मुद्दे पर स्पष्ट राय नहीं रखते। वे 'वन चाइना' यानी 'एक चीन' नीति अपनाना चाहते हैं, हालांकि उस तरह से नहीं, जिस तरह चीन इस नीति को परिभाषित करता है। ऐसे नेताओं और चीन की आपसी समझ के कारण ही बीजिंग और ताइवान में व्यापारिक रिश्ते आगे बढ़े हैं। इसी बुनियाद पर उन तमाम देशों से भी ताइवान के कारोबारी रिश्ते बने हैं, जो उसे संप्रभु राष्ट्र का दर्जा नहीं देते। ऐसे देशों में भारत भी शामिल है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ ताइवान के रिश्ते पर चीन के रुख को समझने के लिए यह जानना महत्वपूर्ण है कि 2008-16 के बीच ताइवान पर जिस दल का शासन था, संप्रभुता पर सार्वजनिक रूप से उसने जोर नहीं दिया। नतीजतन, संगठन में ताइवान के पर्यवेक्षक देश बनने पर चीन ने आपत्ति नहीं जताई। मगर 2016 में जब पिछले सत्ताधारी दल से अलग सोच रखने वाली पार्टी सत्ता में आई, तो चीन और ताइवान के रिश्ते बिगड़ गए, जिसके कारण बीजिंग ने डब्ल्यूएचओ में ताइवान की भागीदारी का विरोध किया। अधिकांश देशों ने तब तक इस मसले पर ध्यान नहीं दिया, जब तक कोरोना के कारण हालात नहीं बिगड़े। दरअसल, चीन ने जैसे ही विश्व स्वास्थ्य संगठन को एक नए वायरस के बारे में बताया, ताइवान ने झट से अपनी तैयारी शुरू कर दी। उसके पास एक बेहतरीन स्वास्थ्य ढांचा है, जो इस तरह की आपात स्थितियों को संभालने में माहिर है। लिहाजा वहां कोरोना का संक्रमण काफी कम हुआ। दो करोड़ से ज्यादा की ताइवानी आबादी में सिर्फ 440 लोग संक्रमित हुए और सात को अपनी जान गंवानी पड़ी। इसके अलावा, उसके वैज्ञानिकों ने कोरोना से बचाव के टीके पर भी गंभीरता से काम करना शुरू कर दिया।

निजता की सुरक्षा का सवाल

संजय वर्मा

> केरल हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि आखिर वह आरोग्य सेतु को अनिवार्य कैसे कर सकती है। उसने सवाल उठाया है कि अगर कुछ लोगों के पास स्मार्टफोन न हो, तो क्या उन्हें दफ्तर में प्रवेश से रोका जा सकता है? दूसरी बड़ी आपत्ति इस ऐप के जरिए लोगों की निजता में सेंध को लेकर है। आपदा के वक्त अगर आधुनिक तकनीक से कोई मदद मिल जाए, तो उसे आम लोगों से लेकर सरकारी मशीनरी तक के लिए राहत माना जाता है। इन दिनों आरोग्य सेतु ऐप को ऐसी ही एक बेजोड़ कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस ऐप ने देश भर में साढ़े छह सौ हॉटस्पॉटों के बारे में सरकारी मशीनरी को वक्त रहते सचेत किया। इससे सरकार को तीन सौ उभरते हॉटस्पॉटों की सटीक जानकारी मिली।

इससे संबंधित सरकार का एक दावा यह भी है कि फिलहाल इसे देश में दस करोड़ लोग अपने स्मार्टफोन में डाउनलोड कर चुके हैं और यह जान बचाने का एक सटीक जरिया बन गया है। पर आरोग्य सेतु ऐप को लेकर कुछ लोगों को एतराज भी है। खासकर इसे कई मामलों में अनिवार्य करने, इसके जरिए लोगों की निजता में सेंध लगने और खुद आरोग्य ऐप की हैकिंग जैसी चीजें हैं, जिसने इसे संदिग्ध बना दिया है। आरोग्य सेतु ऐप को लेकर उठी पहली आपत्ति इसे कई सेवाओं में अनिवार्य बनाया जाना है। भारतीय रेलवे घोषणा कर चुका है कि विशेष गाड़ियों में वही लोग यात्रा कर पाएंगे, जिनके स्मार्टफोन में आरोग्य सेतु ऐप होगा। इस अनिवार्यता का एलान करते हुए रेलवे ने साफ किया कि अगर इस ऐप के उपभोक्ता किसी संक्रमित व्यक्ति के निकट संपर्क में आते हैं, तो ऐप स्मार्टफोन धारक को सचेत करता है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने भी घरेलू व्यावसायिक विमानन कंपनियों से कहा है कि यात्रियों के स्मार्टफोन में आरोग्य सेतु ऐप होना चाहिए। साथ ही अगर हवाई अड्डे पर यात्री और वहां काम करने वाले कर्मचारियों के फोन पर मौजूद इस ऐप में हरा संकेत (जिसका अभिप्राय कोरोना संक्रमण का कोई लक्षण मौजूद न होना है) नहीं दिखता, तो ऐसे यात्रियों-कर्मचारियों को हवाई अड्डा टर्मिनल भवन में ही प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी। हालांकि विमानन कंपनियों ने इस निर्देश पर यह कहते हुए ज्यादा सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है कि अगर कोई यात्री स्मार्टफोन लेकर न चलना चाहे, तो ऐसी स्थिति से कंपनियां कैसे निपटेंगी। इसी तरह अगर हर सरकारी दफ्तर में कर्मचारियों के लिए इसे डाउनलोड करना जरूरी कर दिया गया और कुछ कर्मचारी भूलवश अपना फोन कार्यालय लेकर नहीं आए, तो ऐसी स्थिति में क्या होगा। इन्हीं आशंकाओं के चलते हाल में केरल हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा है कि आखिर वह आरोग्य सेतु को अनिवार्य कैसे कर सकती है। उसने सवाल उठाया है कि अगर कुछ लोगों के पास स्मार्टफोन न हो, तो क्या उन्हें दफ्तर में प्रवेश से रोका जा सकता है? दूसरी बड़ी आपत्ति इस ऐप के जरिए लोगों की निजता में सेंध को लेकर है। कैसी विडंबना है कि आधुनिक तकनीकों का सहारा लेकर लोगों की पहचान दर्ज करने से लेकर रोगियों की पहचान तक के जितने प्रबंध सरकार कर रही है, उन

सभी में कोई न कोई पेच ऐसा है जो आम लोगों की निजी जानकारियों के छीजने के प्रबंध कर देता है। सरकार के तमाम दावों और खुद आधार कार्ड बनाने और जारी करने वाली संस्था- यूनीक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईएडीआई) के आश्वासनों के बावजूद लोगों के मन में यह संशय आज तक बना हुआ है कि इसके लिए उनकी बायोमैट्रिक्स सूचनाओं (यानी उंगलियों, अंगूठे और पुतलियों की छाप) के अलावा अन्य जानकारियां कहीं गलत हाथों में न पड़ जाएं। अफसोस कि आधार के बेहद पुख्ता सुरक्षा प्रबंधों के बावजूद ऐसी जानकारियां कई मर्तबा सामने आ चुकी हैं, जब कहा गया कि लाखों लोगों की आधार कार्ड की जानकारियां हैकरों के हाथ लग चुकी हैं। 2018 में खुद को फ्रेंच सुरक्षा शोधकर्ता कहने वाले एक हैकर एलियट ने आंध्र प्रदेश की सरकारी वेबसाइट का यूआरएल और बायॉमेट्रिक निशान के स्क्रीनशॉट्स साझा करते हुए दावा किया था कि किस तरह आधार कार्ड स्कैन और बायोमीट्रिक डाटा खुला छोड़ दिया गया है। आधार की जानकारियों के खुलासे का यह पहला मामला नहीं था, लेकिन यूआईएडीआई ने हर बार यह प्रतिदावा किया कि आधार की जानकारियां पूरी तरह सुरक्षित हैं। विचित्र है कि उसी फ्रांसीसी हैकर ने इस बार आरोग्य सेतु ऐप को लेकर सरकार को चुनौती दी है। एलियट ने अपने ट्विटर हैंडल पर दावा किया कि वह यह देख सकता है कि इस वक्त भारत की संसद या प्रधानमंत्री कार्यालय तक में कौन-कौन बीमार है और किसी इलाके में कौन लोग कोरोना से संक्रमित हैं। एलियट के मुताबिक भारत सरकार ने आरोग्य सेतु ऐप को खुला छोड़ दिया है और दुनिया में बैठा कोई भी हैकर उसमें दर्ज सूचनाएं उड़ा सकता है। इन्हीं समस्याओं के मद्देनजर पिछले दिनों कांग्रेस ने आरोग्य सेतु को निजता के अधिकार का उल्लंघन करने वाला ऐप करार दिया था। उसने कहा था कि इस ऐप के जरिए हर व्यक्ति की चौबीस घंटे निगरानी की जाएगी। यह ऐप व्यक्ति के ऊपर एक जासूसी कैमरा लगाने जैसा है। यानी कोई बाहरी शख्स भले आरोग्य सेतु की हैकिंग न कर पाए, लेकिन सरकार तो जीपीएस तकनीक से लैस इस ऐप के जरिए प्रत्येक व्यक्ति की हरेक गतिविधि पर नजर रख सकेगी। साफ है कि जो ऐप यह बता सकता है कि अभी-अभी आप जिस व्यक्ति से मिले हैं और आपके मोहल्ले में जिन दो-चार लोगों ने अभी प्रवेश किया है, वे कोरोना संक्रमित हैं या नहीं, तो जाहिर है कि वह हर शख्स की पल-पल की खबर सरकार को दे सकता है। कहा जा सकता है कि सरकार को आपकी गतिविधियों की जानकारी मिले, तो इसमें समस्या क्या है। यह तो सरकार का हक है। बेशक। अमेरिका आदि विकसित मुल्कों में किए गए ऐसे ही प्रबंधों को देखें तो सरकार तक जानकारी पहुंचने में शायद ज्यादा दिक्कत नजर न आए, लेकिन दिक्कत दूसरी है। समस्या हमारी निजी जानकारियों तक अवांछित लोगों की पहुंच को लेकर है। दूसरे, निजता से जुड़े वैसे कानूनों का हमारे देश में अभाव है, जैसे अमेरिका या ब्रिटेन में हैं। यानी वहां अगर ऐसे ऐप या निगरानी करने वाले फेस रिक्गनिजेशन जैसे आधुनिक प्रबंध कायम किए हैं, तो इसकी व्यवस्था भी की गई है कि आम लोगों की निजी जानकारियां बेची या गलत हाथों में पड़ीं, तो उसके लिए जिम्मेदार लोगों-संगठनों पर क्या कानूनी कार्यवाही होगी और कितना दंड भुगतना पड़ेगा। इधर ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा ने एक केंद्रीकृत कॉन्टैक्ट-ट्रेसिंग ऐप को खत्म करने का फैसला किया है, जिससे बटोरी गई सूचनाएं सरकारी सर्वरों से होकर गुजर रही थीं। आरोग्य सेतु अनिवार्य करने से पहले सरकार निजता सुनिश्चित करने वाले कानूनों का प्रबंध और सूचना की लीकेज रोकने के उपाय करे। आधार कार्ड बनाने की प्रक्रिया वर्ष 2009 से हुई थी और उससे जुड़ी निजता की चिंताओं को दूर करने वाले कानूनों का प्रबंध आज तक नहीं हुआ है, तो बंदी की मौजूदा स्थितियों में ऐसे उपाय तुरत-फुरत बनाना बेहद कठिन लगता है। मगर सरकार दूसरे प्रबंध अवश्य कर सकती है। जैसे वह अमेरिका, ब्रिटेन, यहां तक कि सिंगापुर से ऐसे सबक ले सकती है, जहां ऐसे ऐप बनाते वक्त साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञों की राय और सेवाएं ली गईं और अगर ऐप में सूचनाओं के लीकेज का कोई रास्ता नजर आया, तो उसे वक्त रहते दूर कर लिया गया।

कोरोना आपदा

कोरोना से बिना डरे जी सकते है सामान्य जीवन!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

> कोरोना वायरस से मरने वाले कई लोग एक प्रकार के निमोनिया का शिकार हुए हैं जो वायरस से लड़ने में कमजोर हो चुके थे और उनके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम हो गई थी। हालाकि कोरोना और स्पेनिश फ़्लू के बीच काफी समानता है, लेकिन स्पेनिश फ़्लू की तुलना में कोरोना से संक्रमित लोगों की मृत्यु दर काफी कम है। अभी तक इस बीमारी से मरने वाले लोगों में अधिकांश बूढ़े लोग हैं या ऐसे लोग जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता पहले से कमजोर थी।

स्पेनिश फ्लू महामारी के समय कम रोगप्रतिरोधक क्षमता के लोगों को फ़्लू संक्रमण भी आसानी से हो जाता था,जो निमोनिया का शिकार हो जाते थे,जिसका सीधा असर उनके फेफड़ों की क्षमता पर पड़ता था। सामान्यतः स्वस्थ लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता फ्लू से निपटने में सफल रहती है। लेकिन उस समय फ्लू इतनी तेजी से हमला करता था कि शरीर की प्रतिरोधक शक्ति पस्त हो जाती है। जिससे फेफड़ों में पानी भर जाता था, जिससे फ्लू संक्रमण की बीमारी अन्य लोगों में भी फैल जाती थी।

फ्लू की वजह से विश्व के विकसित देशों में सार्वजानिक स्वास्थ्य प्रणाली में काफी सुधार हुआ क्योंकि सरकारों और वैज्ञानिकों को अहसास था कि भविष्य में महामारियां बहुत तेजी से फैलेंगी।जो कोरोना के रूप में हमारे सामने है।कोरोना वायरस का ज्यादा खतरा बूढ़े और पहले से बीमार लोगों को है. हालांकि इस बीमारी में मृत्यु दर अन्य गम्भीर बीमारियों की अपेक्षा काफी कम है। किंतु 65 से अधिक उम्र के लोगों में यह सबसे अधिक खतरा बनकर आती है।स्पाइन फ़्लू के दौरान केवल मध्य और उच्च वर्ग के लोग ही डॉक्टरों से इलाज करवाने की क्षमता रखते थे।जिस कारण स्पेनिश फ़्लू से मरने वालों में अधिकांश लोग झुग्गियों या शहरों के गरीब इलाकों में रहते थे जहां सफाई और पोषक आहार की कमी थी। युद्ध स्तर पर संसाधन जुटाने में लगी है, संक्रमित लोगों को अलग रखा जा रहा है और उसमें भी बच्चों को गंभीर रूप से संक्रमित लोगों से अलग रखने की कार्यवाही हो रही है। साथ ही लोगों की आवजाही पर नियंत्रण लगाया जा चुका है ताकि बीमारी खुद ही खत्म हो जाए।कोरोना वायरस से निबटने के लिए आज जो सार्वजानिक स्वास्थ्य के कदम उठाए जा रहे हैं वो स्पेनिश फ़्लू के परिणामों से सीखे गए सबक का ही नतीजा हैं। कुछ लोगों को लगता है कि कोरोना इंफेक्शन होने ही उनकी जान चली जाएगी. यदि आपके मन में भी ये डर है, तो सबसे पहले अपने मन से यह डर निकाल दीजिए। कोरोना वायरस इतना भी भयानक नहीं है, जितना इसकेबारेमेंगलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। कोरोना वायरस चीन के अलावा दक्षिण कोरिया, ईरान, इटली, अमेरिका, फ्रांस जैसे देशों में भी पहुंचा हुआ है और भारत में भी कोरोना वायरस के मामलों की बहुतायत में पुष्टि हो चुकी है। लेकिन कोरोना वायरस इतना भयानक नहीं, जितना इसके बारे में गलतफहमियां फैलाई जा रही हैं। कोरोना वायरस से आसानी से बचा जा सकता है।इसके कारण, लक्षण और इससे बचने के आसान उपाय करने की जरूरत है। कोरोना वायरस से डरें नहीं, सावधानी बरतें और उचित सावधानी और सही समय पर इलाज कराने से कोरोना वायरस से आसानी से बचा जा सकता हैं। सही समय पर डॉक्टर से संपर्क करके आप कोरोना वायरस को आसानी से हरा सकते हैं।कोरोना वायरस एक माइल्ड टाइप का वायरस इंफेक्शन है। इसलिए इसे जानलेवा नहीं कहा जा सकता. इसकी चपेट में आये सिर्फ 2% लोगों की ही मौत हुई है और इसकी वजह उनका कमजोर इम्यून सिस्टम और अन्य कारण भी जिम्मेदार थे। यदि आप उचित सावधानी बरतते हैं, तो आपको इससे डरने की जरूरत नहीं है। इंफेक्शन होने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाते हैं, तो आप जल्दी ही ठीक भी हो जाएंगे।कोरोना वायरस अन्य सीजनल वायरल इंफेक्शन की तरह ही है और जिनका इम्यून सिस्टम कमजोर है, उन्हें सीजनल वायरल इंफेक्शन से भी तकलीफ हो सकती है।कहते है,गर्म तापमान में कोरोना वायरस नहीं पनपता और हमारे देश में अब गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। बस आप अफवाहों से बचें और उचित सावधानी बरतकर कोरोना वायरस को खुद से दूर रखें।

यदि आप लंबे सफर पर हैं और बार-बार साबुन से हाथ नहीं धो सकते, तो अपने पास हैंड सैनिटाइजर जरूर रखें और अपने हाथों को समय-समय पर साफ करते रहें। अपने चेहरे को, खासकर मुंह, नाक आंख आदि को छूने से बचें. हाथ धोने के बाद ही चेहरे को छूएं। सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचें।अपना मोबाइल फोन नियमित रूप से साफ करें, मोबाइल से भी इंफेक्शन हो सकता है। खांसते या छींकते समय रूमाल या टिशू का इस्तेमाल करें या मुंह को कोहनी से ढकें। आपके बिल्कुल पास खड़ा कोई व्यक्ति यदि खांसे या छींके, तो उससे दूर हट जाएं, अपना मुंह ढंकने की कोशिश करें और कुछ सेकेंड तक टुकड़ों में सांस लें। सर्दी-जुकाम से मिलते-जुलते लक्षण कोरोना वायरस के भी हैं। इसलिए खांसने और छींकने वाले लोगों से दूरी बनाए रखें। घर से बाहर निकलते समय, खासकर भीड़-भाड़ वाली जगह पर जाते समय मुंह पर मास्क पहनें। इससे आप इंफेक्शन से आसानी से बच सकते हैं।आप चाहें तो एन 95 मास्क या नॉर्मल मास्क भी पहन सकते हैं।

यदि आपको खांसी और बुखार हो रहा है, तो लोगों से दूरी बनाए रखें।हालांकि बांग्लादेश में बहुत कम पेशेंट हैं सब लोग खुले घूम भी रहे हैं ।जिनकी टेस्टिंग बहुत कम होने की बात कहीं जा रही है।परन्तु चार महीने से ज्यादा समय हो गया है ।अगर कोरोना होता तो अब तक कम्यूनिटी इंफेक्शन से लाखों लोग प्रभावित हो गए होते। जब बिना टेस्ट के कुछ नहीं हो रहा, फिर टेस्ट क्यों? यह तर्क भी दिया जा रहा है।विश्व स्वास्थ्य संगठन कहता है 80प्रतिशत कोरोना मरीज अपने आप ठीक हो जाते हैं तो 20 प्रतिशत पर खतरा हैं,जो अन्य बीमारियों के कारण भी हो सकता है। सर्दी, जुकाम, भुखार मौसम या वातावरण बदलने पर भी होता है । 138 करोड़ जनसंख्या में चार महीने में 2500 रोगियों की मृत्यु होना यह दशार्ता है कि कोरोना के अधिकांश मरीज ठीक हो रहे है।वह भी तब जब शराब की दुकानों पर मीलों लंबी कतार, ट्रकों में भरे मजदूर, जमाजी, राज्यों के बॉडरों में लोगों की भीड़, दूध की खुली दुकानें जहाँ रोज पैसों का लेनदेन हो रहा हो। क्या वहाँ कोई कोरोना है? क्या गलती से भी इस भीड़ का टेस्ट कर दिया तो क्या कोरोना रोगियों की बाढ़ आ जाएगी ,ऐसा भय पैदा न करे।

यादें क्या है

यादें जो हमें किसी के होने का
एहसास करवाती है,
यादें जो हमें
किसी को भूलने नहीं देती,
यादें जो अक्सर
तन्हाई में आती है,
यादे उसकी आती है ,
जो प्रत्येक स्थिति में हमारे साथ रहता है,
यादें उसकी आती है,
जिसे हमारे दर्द का एहसास होता है,
यादें उसकी आती है ,
जो हमारी खामोशी को पढ़ लेता,
यादें उसकी आती है ,
जो हमारी प्रत्येक गलती को
माफ कर देता है,
यादें उसकी आती है,
जिसे अक्सर हम छोड़ आते हैं ,
यादें उसकी आती है,
जिसे हम कभी समझ ही नहीं पाते,
यादें उसकी आती है,
उस जैसा कोई ओर मिलता ही नहीं है,
यादे उसकी आती है,
जो पास होकर भी हमसे दूर चला जाता है।

अमित डोगरा, पी.एच डी शोधकर्ता, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर,

आधुनिक मुखौटा

कुछ यूं बदला वक्त की
सब कुछ बदलता चला गया।
जमी ये आसमा और
आसमा से जमी सब
कुछ यूं ही बदलकर
बिखरता सा गया।
इस बदलते हुए वक्त में
मैंने सोचा
शायद कोई तो मेरा होगा,
मगर आधुनिकता के नाम पर
मुखौटा पहने हुए लोगों ने
समझा दिया की,
कोई अपना नहीं होता
यहां पर
सिवाय जरूरत के।

राजीव डोगरा विमल
कांगड़ा हिमाचल प्रदेश (युवा कवि लेखक)
(भाषा अध्यापक)
गवर्नमेंट हाई स्कूल, ठाकुरद्वारा।

मुसाफिर हूँ यारों

लगातार मजदूरों के पलायन की बातें सुन सुनकर और टीवी, व्हाट्सएप जैसे बहुत से माध्यमों के द्वारा बड़ी ही दुखदाई फोटो देख-देख कर मन बहुत ज्यादा व्यथित हो रहा था।सोच रहा था क्यों ना कुछ मजदूरों के पास जाकर उनकी स्थिति को जाना जाए। मन के कोतुहल को मिटाने के लिए मैंने इन लोगो के बीच जाकर इनकी स्थिति को समझने का कुछ प्रयास किया।सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी करना था और किसी भी तरीके से अपने आप को और दूसरे लोगो को भी कोरोना कि बीमारी से बचाया जाए।इसी विचार के साथ अपने सबसे निकट हाईवे पर पहुँचकर कुछ मजदूरों की परिस्थिति का जायजा लिया। मैं अपने घर से निकल कर मेरठ रोड की तरफ चल पड़ा।अभी गाजियाबाद से थोड़ी दूरी पर आया ही था।सिहानी चुंगी के पास से एक मजदूरों की अपार भीड़ देखकर कुछ घबराहट सी महसूस हुई।पलायन करने वाले मजदूरों को मैं प्रवासी नहीं कहूँगा।अपने ही देश में इस तरीके का नाम पाने का शायद उन्हें अर्थ भी नहीं पता होगा। मजदूर अकेले नहीं जा रहे थे।छोटे छोटे मासूम बच्चे भी उनके साथ जा रहे थे।वो बच्चे जो मजदूरी नहीं करते हैं।वो अपने मेहनती माता पिता के पूरे दिन मेहनत करने की वजह से स्कूल में पढ़ते है।चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट हो लेकिन जैसे तैसे अपनी पढ़ाई कर रहे थे। सफर की थकान से लिप्त ऐसे ही लगभग 30-32 साल के एक युवक से मैंने पूछा भैया तुम लोग इतना पैदल चलकर जा रहे हो।यह जो बच्चे तुम्हारे साथ हैं।कौन-कौन सी कक्षा में पढ़ते हैं।वह मजदूर इतना भी नहीं बता पाया कि उसके बच्चे कौन सी कक्षा में पढ़ते हैं।उसने कहा भैया मैं इतनी मेहनत करता हूँ।कि मैं अपने बच्चो को पढ़ा सकूं।बस इसी लगन से 12-14 घंटे किसी ना किसी काम पर लगा रहता हूँ और रात को थक कर सो जाता हूँ।कक्षा का तो मैं बता नही पाऊँगा।बस इस बात की खुशी थी कि मेरे बच्चे पढ़ रहे है। अब मेरा मन पहले से भी ज्यादा व्यथित हुआ।वह छोटे-छोटे बच्चे जिनके लिए वह मेहनत कर रहा है ताकि उनका भविष्य उज्जवल हो जाए।उसे पता भी नहीं कि वह कौन सी कक्षा में पढ़ रहे हैं।शायद इतने घंटे की मेहनत के बाद वह इस तरह बेसुध हो कर सो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब नींद आई और कब रात गई। खैर इन को छोड़कर मैं थोड़ा सा आगे निकला और आगे जाकर मैं एक औरत से मिला।जिसके दो बच्चे थे लगभग दोनों बच्चों के बीच में 1 साल का फर्क था एक 4 साल का और एक लगभग 5 साल का होगा।एक बच्चे को गोद में लिए हुए थी और दूसरा उसके साथ पैदल पैदल चल रहा था।जब पैदल चलने वाला बच्चा थक जाता था तो वह पहले को नीचे छोड़ दूसरे को उठा लेती थी।इसी तरह उन्हें अदल बदल कर अपना सफर तय कर रही थी। मैंने उससे पूछा इस तरह कब तक कल चलोगे।तुम्हारा पति कहां है, एक बच्चे को वह क्यों नहीं पकड़ता है। तब उस औरत ने अपने पति की तरफ इशारा करते हुए बताया।कि वह जा रहे मेरे पति जिनके सर पर एक भारी सा बक्सा है।जिस तरीके से भारी बक्सा लिए वो चला जा रहा था उसके लिए बच्चे को उठाना नामुमकिंन था।उसे देखकर मुझसे और कुछ पूछा ही नही गया और मैं दुखी मन से आगे चल पड़ा।आधे घंटे के सफर में मुझे बहुत ही प्यास लगने लगी।मैंने अपनी गाड़ी से ठंडी पानी की बोतल उठाई और पानी पीना शुरू किया।अचानक मेरी नजर एक बच्चे की तरफ गई।जो मेरठ रोड पर स्थित पीएनबी बैंक के प्याऊ वाले नल से पानी पी रहा था। मन किया गाड़ी वहां छोड़कर उसी पानी को पीकर देखा जाए।जैसे ही मैंने उस नल खोला।उसमें से एक दम गरम पानी आया।मेरी उसे पीने की हिम्मत ही नहीं हुई।जिस पानी को को वो बच्चे आराम से पी रहे थे। इस बीच जगह-जगह मुझे रास्ते में कुछ लोग भी दिखाई दिए।जो कुछ खाने के पैकेट लेकर इन लोगों की सहायता भी कर रहे थे।लेकिन वह सहायता इतनी नहीं थी कि सभी मजदूरों की भूख को खत्म कर सकें। जिसको जहां-जहां जो भी कुछ मिल रहा था।बस वह अपना उससे ही पेट भर कर आगे बढ़ रहा था।मैं समझ ही नहीं पा रहा था कि इस तरह ये लोग कब तक चलेंगे।जहां तक देख रहा था बस मजदूर ही मजदूर नजर आ रहे थे। उनके साथ छोटे-छोटे मासूम बच्चे बस अपनी धुन में अपने मां-बाप के पीछे पीछे चले जा रहे थे।उन्हें ना किसी मंजिल का पता था ना यह पता कितना और चलना होगा।बस यह पता था कि अपने मां-बाप के पीछे पीछे चलना है और वह मां-बाप भी अपनी पूरी ताकत से अपनी मंजिल की तरह जल्दी पहुँचना चाह रहे थे। अपने मन की जिज्ञासा में आकर मैंने एक बुजुर्ग से पूछा कि क्या घर जाकर खाना पीना मिल जाएगा और इस बीमारी से बच जाओगे।उस बुजुर्ग की आंख में एक आशा दिखाई दी और जुबां पर एक बड़ा ही पॉजिटिव जवाब था।ये तो नहीं पता वहां खाना मिलेगा या इस बीमारी से बचेंगे।लेकिन अपने लोगों के बीच में जाकर कुछ दर्द तो दूर हो जाएंगे।उसकी इस बात से मन निशब्द हो गया। यहीं से मैंने वापसी आने का फैसला किया।मन में एक दुख यह भी था।इस पूरे रास्ते में कोई भी सरकारी वाहन,बस या टेंपो मुझे उनकी सहायता करता हुआ दिखाई नहीं दिया।मैं इन सभी लोगों को अपने मंजिल की ओर बढ़ता हुआ छोड़कर वापसी अपने घर की तरफ चल पड़ा। लगभग 1 घंटे तक मैंने इन लोगों से विचार-विमर्श किया और पाया कि इतनी निराशा के बीच भी इन लोगों को एक विश्वास था कि वे जल्द से जल्द अपने घर से पहुंच जाएंगे और अपने लोगों से मिल ही लेंगे।शायद छोटे-छोटे बच्चे जो बीच में ही पढ़ाई छोड़ आए हैं वह बाद में पढ़ लेंगे।अगर जिंदा रहे तो वापसी जरूर करेंगे,क्योंकि बड़े बड़े शहरों में रह रहे लोगो को इनकी जरूरत हो या ना हो लेकिन ये लोग कल भी इसी उम्मीद में गांव से शहरों की तरफ आए थे,कि इनके बच्चे पढ़ लिख कर जीवन में आगे बढ़ सकें।इन सबके बीच मैंने बस यही अनुभव किया कि भारत मे सरकारे आएंगी और जाएंगी लेकिन इन लोगो का समय ना बदला है और ना ही बदलेगा।बस ये लोग अपने जीवन की अच्छी कल्पना की उम्मीद में जीवन भर चलते ही रहेंगे।

नीरज त्यागी
ग़ाज़ियाबाद (उत्तर प्रदेश).
मोबाइल 09582488698
65/5 लाल क्वार्टर राणा प्रताप स्कूल के सामने ग़ाज़ियाबाद उत्तर प्रदेश 201001

बोनी कपूर के घर में कोरोना : फिल्ममेकर के दो और नौकर वायरस से संक्रमित, दो दिन पहले एक नौकर की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी

फिल्ममेकर बोनी कपूर के घर में काम करने वाले दो और नौकर कोरोनावायरस से संक्रमित पाए गए हैं। ये दोनों नौकर कपूर परिवार के साथ ही रहते हैं। ओशिवारा पुलिस स्टेशन के पीआई दयानंद बांगर ने एक बातचीत में इसकी पुष्टि की। हालांकि, खुद बोनी की ओर से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया।

2 दिन पहले पॉजिटिव आई थी एक नौकर की रिपोर्ट

2 दिन पहले मंगलवार को बोनी ने आधिकारिक स्टेटमेंट जारी कर अपने घर में रहने वाले 23 वर्षीय नौकर चरण साहू के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी साझा की थी। बोनी ने कहा था कि चरण की तबियत 16 मई की शाम से बिगड़ी थी। उन्होंने उसे जांच के लिए भेजा और आइसोलेशन में भी रखा। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद बीएमसी को सूचना दी गई, जिसके तुरंत बाद चरण को क्वारैंटाइन सेंटर ले जाया गया।

होम क्वारैंटाइन है कपूर परिवार

बोनी ने अपने स्टेटमेंट में आगे कहा था, मैं, मेरे बच्चे और घर के अन्य कर्मचारी सभी ठीक हैं। हममें से किसी में भी इस बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं। लॉकडाउन शुरू होने के बाद से हम अपने घर से बाहर नहीं निकले। अब हम अगले 14 दिनों के लिए सेल्फ-क्वारैंटाइन में रहेंगे और बीएमसी की मेडिकल टीम की तरफ से मिले दिशा-निर्देशों का पालन करेंगे।

विद्या बालन ने की अपील

कोरोना वायरस तो फैल गया, मगर इस 'वायरस' को ना फैलने दें!

कोरोना वायरस ने पहले ही देश में लोगों की जिंदगी मुहाल कर दी है, ऐसे में कुछ लोग अफवाह फैला कर मुश्किलों को बढ़ा देते हैं। खासकर, सोशल मीडिया के जरिए अफवाहों को पंख लगा दिये जाते हैं और जरा-सी देर में एक बड़ी तादाद में लोग से प्रभावित होते हैं। अब विद्या बालन ने अभिनेता मानव कौल के जरिए एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने अफवाह वायरस के बचने की अपील की है। विद्या ने वीडियो ट्विटर पर शेयर करते हुए लिखा- दुनिया में एक नया वायरस तेजी से फैल रहा है। आइए, यह और ज्यादा नुकसान करे, उससे पहले ही इसे रोक दें। इस वीडियो में विद्या और मानव कहते हैं कि सोशल मीडिया अफवाह वायरस का रेड जोन है। वहां से मिली किसी भी न्यूज को एक बार वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन या मिनिस्ट्री ऑफ हेल्थकेयर से जांच लें। विद्या मोबाइल फोन से 6 फुट की दूरी बनाने की अपील करती हैं। कोरोना तो फैल गया है, अफवाह वायरस को नहीं फैलने देते हैं।

लॉकडाउन की वजह से सड़क पर आया ये फिल्मी सितारा ! ड्रीम गर्ल में काम कर चुके एक्टर बेच रहे हैं फल !

देशभर में कोरोना पैर पसार चुका है। एक लाख से भी ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। इस चुनौती से लड़ने के लिए देशभर में पिछले 2 महीने से लॉकडाउन है, लेकिन लॉकडाउन ने भी कई तबकों के सामने अलग-अलग मुसीबतें खड़ी कर दी है। कोई अपने घर जाने की आस लिए सड़क पर बैठा है, तो कोई अपने लिए दो वक्त की रोटी का भी इंतजाम नहीं कर पा रहा है। लॉकडाउन की वजह से बहुत सारे लोगों की नौकरी चली गई है।

कई लोगों के सामने रोजी-रोटी का संकट है। आपको जानकर हैरानी होगी कि खाने-पीने के मोहताज सिर्फ मजदूर ही नहीं बल्कि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई आर्टिस्ट भी हैं। ऐसे ही एक एक्टर है सोलंकी दिवाकर। ड्रीम गर्ल, सोनचिरैया और तितली जैसी फिल्मों में साइड रोल में नजर आ चुके दिवाकर अब सडक पर फल बेचने के लिए मजबूर हो गए हैं। दिल्ली के साउथ एक्स की सड़कों पर फल बेचकर वो अपने परिवार का गुजारा कर रहे हैं।

दरअसल फिल्म इंडस्ट्री में कोई काम ना होने की वजह से उनको मजबूरन सड़कों पर फल बेचना पड़ रहा है। हाल ही में उन्होंने अपना दुख बयां किया और बताया था कि कोई काम छोटा बड़ा नहीं होता। बस यही सोचकर वो फल बेच रहे हैं ,क्योंकि उनके पास आय का कोई साधन नहीं है।

एक्टर ने बताया अगर फिल्म इंडस्ट्री खुली होती तो वो इस वक्त किसी न किसी फिल्म में साइड रोल निभा रहे होते।सोलंकी ने बताया कि उन्हें वेटरन एक्टर ऋषि कपूर के साथ अपकमिंग फिल्म में काम करना था ,लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। अचानक लगे लॉक डाउन और ऋषि कपूर के चले जाने से फिलहाल फिल्म अटक गई है। दिवाकर ने बताया वो रोज सुबह ओखला मंडी जाते हैं, वहां से फल लेते हैं और फिर पूरा दिन सड़कों पर उन्हें बेचते हैं। ये आसान नहीं होता क्योंकि मंडी में लंबी लंबी लाइन लगी होती है। पुलिस का खौफ होता है लेकिन फिर भी दिवाकर ने बताया कि वह खुश है क्योंकि इस वक्त जरूरी यह है कि दो वक्त के खाने का इंतजाम कैसे किया जाए और उनके पास यही साधन है । दिवाकर ने कहा ये छोटी-छोटी लड़ाईया ही हमें मजबूत बनाती है। बहरहाल सोलंकी दिवाकर ने सभी को एक प्रेरणादायक संदेश दिया है ,लेकिन बस अब सभी को उम्मीद है कि जल्द ही कोरोना की मार खत्म हो, लॉकडाउन खुल जाए और सभी अपने काम पर वापस लौट सकें।

मस्तराम 2 वेब सीरीज की तैयारियां शुरू, एक्टर बोले- इंटीमेट सीन शूट करने में बरतनी होगी सावधानी

वेब सीरीज 'मस्तराम' की सफलता को देखते हुए इसके दूसरे सीजन को बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई है। इसके राइटर्स ने कहानी लिखनी शुरू कर दी है। हां, यह अलग बात है कि इस बार कोविड-19 को देखते हुए इसके पहले सीजन में जितने अंतरंग सीन थे, वह दूसरे सीजन में काट-छांट कर कम कर दिए जाएंगे। इसकी कहानी की शुरूआत वहीं से होगी जहां पर पहला सीजन खत्म हुआ था। इसके लीड एक्टर अंशुमन झा हैं, जिन्होंने पहले सीजन में राजाराम का किरदार निभाया है। सीरीज के लेखक आर्यन सुनील बताते हैं, 'मस्तराम सीजन-2 का फोकस ज्यादातर राजाराम के किरदार पर होगा और जहां पर सीजन वन खत्म हुआ था, वहीं से सीजन-2 की शुरूआत करेंगे।

हमें यह नहीं पता कि आगे तीन महीनों में कोरोना वायरस की स्थिति क्या होगी, पर तीन महीने के बाद हम इसकी शूटिंग करने के बारे में सोच रहे हैं। फिलहाल इंटीमेट सीन छोड़कर स्टोरी लिख रहा हूं। इसके इंटीमेट सीन तीन महीने बाद लिखेंगे, जब कोरोना वायरस की स्थिति साफ होगी। आगे चलकर जो भी स्थिति होगी, उसके अनुसार इंटीमेट सीन जुड़ेंगे'। सीरीज में मुख्य किरदार निभाने वाले अंशुमन झा कहते हैं, 'मस्तराम की सफलता के बाद हम इसका सीजन- 2 बनाने का प्रयास कर रहे हैं। इसमें सारा फोकस राजाराम की लव लाइफ पर होगा, जो सीजन वन में भी दिखाई गई है। मेरा किरदार मस्तराम का है, जो एरोटिक किताबें लिखता है और यह लोगों के बीच काफी मशहूर हो जाती हैं।

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने 15 साल बाद दूर की फैंस की गलतफहमी, बोलीं- सबको लगता था तिनका-तिनका गाने में मेरी आवाज है

प्रियंका चोपड़ा जोनस साल 2005 में फिल्म करम में नजर आईं थीं। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तो कोई खास कमाल नहीं दिखाया लेकिन इसका गाना तिनका-तिनका हर किसी की जुबान पर था। कई लोगों को लगता था कि ये गाना खुद प्रियंका चोपड़ा ने गाया है। हालांकि ऐसा नहीं है। फिल्म रिलीज के 15 साल बाद अब प्रियंका ने इस बारे में फैंस को जानकारी दी है। हाल ही में प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से तिनका-तिनका गाने का वीडियो शेयर किया है। इसके साथ उन्होंने लिखा, तिनका तिनका मेरी पुरानी फिल्म करम का गाना है। ये 2015 में रिलीज हुई है। जिसको न पता हो उसे बता दूं, हिंदी फिल्मों में कई एक्टर्स के लिए प्लेबैक सिंगर का इस्तेमाल करते हैं। और मुझे खुशकिस्मती से कुछ बेहतरीन सिंगर्स ने अपनी आवाज मेरी फिल्मों में दी है। मगर जब ये गाना रिलीज हुआ तो कई लोगों को लगता था ये मेरी आवाज है। मगर सच्चाई यह है कि ये आवाज मेरी पसंदीदा सिंगर में से एक अलीशा चिनॉय की है। वो मेरी टोन से बहुत मिलती हैं। शुक्रिया अलिशा। फिल्म करम में प्रियंका चोपड़ा के साथ जॉन एब्राहिम ने लीड रोल निभाया था। संजय गुप्ता के निर्देशन की ये फिल्म बॉक्स ऑफिस में फ्लॉप साबित हुई थी। थर्सडे थ्रोबैक शेयर करते हुए प्रियंका ने संजय और जॉन को भी मेंशन किया है। फिलहाल एक्ट्रेस कैलिफॉर्निया में अपने परिवार के साथ क्वारैंटीन है।

कमाल आर खान पर मामला हुआ दर्ज

ऋषि कपूर और इरफान के निधन पर किया था विवादित ट्वीट !

अपने बड़बोलेपन की वजह से अक्सर विवादों में छाए रहने वाले बिग बॉस के एक्स-कंटेस्टेंट कमाल आर खानकानूनी पचड़े में फंस गए हैं। देशद्रोही एक्टर के खिलाफ सोशल मीडिया पर विवादित टिप्पणी करने की वजह से मुकद्दमा दर्ज किया गया है। गौरतलब है, कि केआरके के नाम से मशहूर एक्टर ने पिछले दिनों अपने ट्विटर अकाउंट से दिवगंत अभिनेता ऋषि कपूर और इरफान खान के खिलाफ विवादित टिप्पणी कर दी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक युवा सेना कोर कमेटी के मेंबर राहुल कनल की शिकायत के बाद ब्रांदा पुलिस स्टेशन में केआरके के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इस बारे में सीनियर पुलिस ऑफिसर ने भी खबर को कन्फर्म करते हुए कहा कि हमने विवादित टिप्पणी करने की वजह से कमाल आर खान के खिलाफ धारा 294 के तहत मामला दर्ज किया है। हांलाकि अभी तक इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन जांच चल रही है। आपको बता दें, कि 29 अप्रैल को ऋषि कपूर को अस्पताल में भर्ती करवाए जाने की खबर सामने आने के बाद 30 अप्रैल को कमाल आर खान ने अपने ट्विटर अकाउंट पर उन्हें लेकर कमेंट किया था। जिसमें उन्होने लिखा था कि ऋषि कपूर को एचएन रिलायंस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मैं बस उनसे यह कहना चाहता हूं, सर ठीक होकर वापस आना। निकल मत लेना, क्योंकि दारू की दुकान बस 2-3 दिन में खुलने ही वाली हैं। कमाल आर खान ने इरफान खान के खिलाफ भी विवादित टिप्पणी की थी। इरफान खान का निधन 29 अप्रैल को मुंबई में हुआ था। जबकि ऋषि कपूर का देहांत 30 अप्रैल की सुबह पौने नौ बजे मुंबई के एच. एन. रिलायंस अस्पताल में हुआ था। दोनों ही अभिनेताओं ने कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लंबी जंग लड़ी थी। 24 घंटे के भीतर दो दिग्गज अभिनेताओं को खो देने के गम से पूरा बॉलीवुड शोक में डूब गया था। ऐसे में कमाल आर खान के घटिया कमेंट्स ने कई लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई थी।

शहनाज के पिता संतोख सिंह ने रेप के इल्जाम पर दी सफाई, कहा सीसीटीवी फुटेज से साबित हो जाएगा सच

बृहस्पतिवार की सुबह शहनाज गिल के पिता संतोख सिंह पर लगे रेप के इल्जाम की खबर ने सभी को हैरान कर दिया था। पुलिस रिपोर्ट में 40 वर्षीय पीड़ित महिला ने संतोख सिंह पर बंदूक की नोक पर बलात्कार करने का इल्जामा लगाया था। जिसके बाद पिता के बचाव में उनके बेटे शहबाज गिल ने इन सभी इल्जामों को नकार दिया था, और कहा था की वह महिला उनके पिता को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, और पुलिस जांच में ये बात सामने आ जाएगी। अब खुद पर लगे बलात्कार के आरोप को लेकर संतोख सिंह ने भी अपनी चुप्पी तोड़ी है। संतोख सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा है कि पीड़िता द्वारा लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं, और उसने उनके खिलाफ झूठी रिपोर्ट लिखवाई है। इंटरव्यू में संतोख सिंह ने यह भी बताया कि वह उस महिला को अपने एक पारिवारिक मित्र लकी की वजह से जानते हैं, जिसकी वजह से वो उससे कुछ बार मुलाकात कर चुके हैं। लकी लगातार उस महिला के संपर्क में रहा था, और संतोख सिंह के मुताबिक झ लकी को उस महिला के साथ एक स्थान मिला जिसके बाद वह उनके साथ रहने के लिए आया था। लकी के अनरोध पर, जब उस महिला ने उसकी लोकेशन के बारे में पूछा तो उन्होने बताने से मना कर दिया, जिसकी बाद अगले ही दिन उनके नाम से पुलिस स्टेशन में रेप के इल्जाम वाली एफआईआर दर्ज करवा दी गई। संतोख सिंह ने सीसीटीवी फुटेज को बतौर सबूत पेश करने की बात भी कही है। संतोख सिंह का कहना है कि उस दिन की सीसीटीवी फुटेज से ये बात साबित हो जाएगी कि, वो पूरे दिन अपने घर से बाहर गए ही नहीं थे। कथित तौर पर यह घटना 14 मई को हुई थी, लेकिन 19 मई को महिला ने ये मामाल पुलिस में शिकायत कर दर्ज करवाया है।

20 साल की हुईं किंग खान की बेटी सुहाना बेस्ट फ्रेंड अनन्या पांडे ने दी बर्थडे की बधाई

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान आज यानी 22 मई को अपना 20वां बर्थडे सेलिब्रेट किया। हालांकि, सुहाना का ये बर्थडे क्वारैंटाइन बर्थडे होने वाला है लेकिन इसके बावजूद सुहाना अपने मुंबई वाले घर मन्नत से इसका पूरा लुत्फ उठा रही हैं। आपको बता दें कि सुहाना को सनसेट का टाइम काफी ज्यादा पसंद है और वो अक्सर ही इस मोमेंट को पूरे दिल से एंजॉय करती हैं, जिसका सुबूत सुहाना के इंस्टाग्राम पोस्ट में भी देखने को मिलता रहता है।

अपने 20वें बर्थडे से एक शाम पहले भी सुहाना खान ने मन्नत से सनसेट के व्यू की एक खूबसूरत पिक्चर शेयर की। पिक में सुहाना की डायरी के साथ उनका ईयरफोन भी नजर आ रहा है। वहीं इसके दूसरे छोर का नजारा भी काफी सुहाना लग रहा है। आप देख सकते हैं कि समुद्र पर सूर्य की काफी सुन्दर परछाई पड़ रही है और ये पिक्चर एक बेहतरीन शांति का एहसास करा रही हैं साथ ही इस पिक्चर को शेयर कर सुहाना ने कैप्शन में लिखा है, सिनेमन गर्ल लाना लाना लाना !!! वहीं सुहाना के बर्थडे की बात करे तो इस स्टार चाइल्ड को फैन सुबह से ही विशेज दे रहे हैं, सुहाना की बीएफएफ और ऐक्ट्रेस अनन्या पांडे ने भी सुहाना के बर्थडे पर एक स्पेशल पोस्ट कर उन्हें विश किया है ।

अनन्या ने अलीबाग की एक पिक्चर शेयर की है जिसमें सुहाना ब्लैक एंड व्हाइट ड्रेस में नजर आ रही हैं साथ ही अनन्या ने ग्रीन कलर की प्रिंटेड शर्ट ड्रेस पहन रखी है। पिक को शेयर कर अनन्या ने कैप्शन के जरिए अपने इमोशंस को जाहिर करते हुए लिखा है, - दो चीजें जिन्हें मैं सबसे ज्यादा मिस कर रही हूं, पहला ग्रेट आउटडोर और दूसरी सुहाना... हैप्पी बर्थडे सुई... तुम हमेशा मेरी लिटिल बेबी रहोगी। इसके अलावा एसआरके की करीबी दोस्त और मैनेजर पूजा ददलानी ने भी सुहाना को बर्थडे की बधाईयां दी हैं।

आपको बता दें कि शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अभी बॉलीवुड से दूर हैं लेकिन उनके फैन फॉलोइंग की संख्या लाखों में है। सुहाना मशहूर स्टार किड्स में से एक हैं। वो जब भी सोशल मीडिया पर कोई पिक्चर शेयर करती हैं, तो वो पिक्चर तेजी से वायरल हो जाती है। एक स्टार चाइल्ड होने के नाते सुहाना अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर भी आ जाती हैं। इसी का नतीजा था कि जब सुहाना खान ने वोग के मैगजीन कवर पर अपना डेब्यू किया तो उसके बाद उन्हें हर जगह से खरी खोटी सुनने को मिली। सबने सवाल किया कि शाहरुख खान की बेटी होने के अलावा उन्होंने ऐसा क्या किया है कि वो वोग के कवर पर होना डिजर्व करती हैं।

लेकिन सुहाना ने अपने कैरियर के रास्ते में आ रही इन मुसीबतों को नजरअंदाज किया और आगे बढ़ती चली गईं। कुछ समय पहले सुहाना खान की एक शॉर्ट फिल्म रिलीज हुई थी। 'द ग्रे पार्ट ऑफ ब्लू' टाइटल के इस शॉर्ट फिल्म में उनके एक्टिंग की काफी तारीफ हुई थी। सुहाना एक ऐक्ट्रेस बनना चाहती हैं जिसका खुलासा खुद शाहरुख खान अपने कई इंटरव्यू में कर चुके हैं। अब इन्तजार है तो सुहाना को बड़े पर्दे पर देखने का।

गरीबी की गंगा नगरपालिका की जटाओं में उलझी

दबोह(मोहित गोस्वामी)

कोरोना वैश्विक महामारी के कारण चल रहे लोकडॉन में केंद्र व राज्य सरकारे गरीब,असहाय,बेसहारा व निराश्रित व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिन-प्रतिदिन नई-नई योजनाएं और राहत पैकेज की घोषणा किये जा रही है परंतु जमीनी स्तर पर अगर देखा जाए तो फिर भी लोकडॉन से परेशान व्यक्ति परेशान ही नजर आ रहे है ऐसा ही एक मामला भिंड जिले के कस्बा दबोह का है जहाँ शासन के आदेशानुसार निराश्रित एवं बेहसहारा व्यक्तियों को दिया जाने बाला राशन भी नगरपरिषद के द्वारा तैयार की हुयी सूची में दर्ज व्यक्तियों के नाम के अनुसार यह राशन किसी व्यक्ति के पास पहुँचा है तो किसी व्यक्ति के पास कम पहुँचा है तो वही किसी व्यक्ति के पास तो पहुँचाया ही नही गया वैसे तो यह राशन प्रत्येक सप्ताह पर बेसहाराओ को उपलब्ध कराया जाना था परंतु नगर में अधिकतर कई व्यक्तियों के पास लगभग दो से तीन सप्ताह में एक ही बार पहुँचाया गया है साथ ही यहाँ बता दे कि नगरपरिषद के पास आज भी राशन सामग्री रखी हुयी है परंतु फिर भी इन व्यक्तियों के पास राशन नही पहुँच रहा है जिम्मेदार अधिकारी का कहना है कि हमारे द्वारा लगातार राशन वितरण किया जा रहा है गौर करने बाली बात तो यह है कि यदि अधिकारी महोदय के द्वारा राशन सामग्री का वितरण किया जा रहा है,फिर भी यह राशन सामग्री जनता बीच नही पहुँच रही है आखिरकार यह सामग्री कहा गायब हो रही है यह तो परमात्मा ही जानता होंगा नगरपालिका की जटाओ में उलझी इस रहस्यमयी गरीबों की गंगा क्या कभी इन गरीबो तक सही तरीके से नियमानुसार पहुँच पाएंगी या फिर शासन के नुमाइंदों के द्वारा इसी प्रकार सरकारी दफ्तरों के दस्तावेजो में उलझी पड़ी रहेंगी और धरातल पर यह गरीब लोग यहां से बहा भटक कर एक दूसरे के सामने हाथ फैला कर अपना पेट भरते रहेंगे।

यह है नगर पालिका में आये व वितरित हुये राशन का हिसाब-मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा दी हुयी जानकारी अनुसार बताया गया है कि अब तक कुल 130 किवंटल गेहूँ व 45 किवंटल चावल शासन द्वारा नगरपरिषद दबोह को प्राप्त हुआ है जिन्हें कुल 659 हितग्राहियों में 10 किलो गेँहू व 2 किलो 500 ग्राम चावल कभी 2 किलो चावल के हिसाब से वितरित किया गया है इस हिसाब से अब भी नगर परिषद दबोह के पास कई दर्जन किवंटलो बाधी राशन सामग्री रखी हुयी है परंतु फिर भी नगर परिषद के द्वारा कई व्यक्तियों को दो से तीन सप्ताह से एक से दूसरी बार राशन सामग्री प्राप्त नही हुयी है यदि किसी व्यक्ति को प्राप्त भी हुयी है तो आधी अधूरी सामग्री प्राप्त हो रही है

भारतीय नमो संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी जी वीडियो कॉन्फ्रेंस मीटिंग में विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद रहे

भारतीय नमो संघ के द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण मीटिंग रखी गई, जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल जोहर जीने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय राज्यसभा सांसद श्री दुष्यंत गौतम जी ने शिरकत की, भारतीय नमो संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज तिवारी जी वीडियो कॉन्फ्रेंस मीटिंग में विशिष्ट अतिथि के रुप में मौजूद रहे, भारतीय नमो संघ के संरक्षक श्री दुष्यंत गौतम जी ने इस अवसर पर नमो संघ के सभी कार्यकर्ताओं को नमो संघ और बीजेपी के संबंधों के बारे में बताया एवं कार्य करने के लिए मार्गदर्शन किया, उन्होंने नमो संघ के निर्माण के उद्देश्य पर प्रकाश डालें, भारतीय नमो संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मनोज कुमार तोमर जी ने हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष श्री अनिल जोहर जी की अध्यक्षता में वैश्विक महामारी करोना की विपत्ति में हरियाणा में किए गए कार्यों की सराहना की एवं उन्होंने कहा की कोरोना महामारी के दौरान जिन भी लोगों ने निस्वार्थ भाव से सेवा की है, संगठन की तरफ से उन्हें सम्मान पत्र देकर उनका आभार व्यक्त किया जाएगा, उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जी से तथा अन्य पदाधिकारियों से उन लोगों के बारे में जानकारी देने का आह्वान किया जिन्होंने इस दौरान लोगों की सेवा की, श्री मनोज कुमार तोमर जी ने यह बताया कि अगर कोई व्यक्ति संघ से नहीं जुड़ा मगर करोना काल में उसने लोगों की मदद में भागीदारी निभाई है, तो आप उसकी भी सूची बनाकर हमें भेज दो ताकि उन्हें सम्मानित किया जा सके, संगठन के अनुशासन की तारीफ करते हुए श्री मनोज तोमर जी ने कहा कि, अपने से उच्च पद के अधिकारियों का सम्मान करके एवं सहयोग करके इस संगठन को ऊंचाइयों तक ले जाया जा सकेगा, मीटिंग में राष्ट्रीय महामंत्री दिनेश भाटिया, प्रदेश उपाध्यक्ष नमो संघ हरियाणा अधिवक्ता अंजू शर्मा , नमो संघ हरियाणा के चेयरमैन श्री कवर राजाराम चौहान , महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती सीमा गर्ग, महिला मोर्चा, प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा, अंजू लटवाल, जिलाध्यक्ष सुरेश जांगड़ा, ने भी माननीय सांसद श्री दुष्यंत गौतम जी का स्वागत किया इसके अलावा प्रदेश के समस्त पदाधिकारी कार्यकर्ता तथा राष्ट्रीय स्तर के समस्त पदाधिकारियों ने इस मीटिंग में भाग लिया.

कोरोना को हराकर 5 मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से हुये डिस्चार्ज

कोरोना हारेगा, देश जीतेगा'' इस संदेश के साथ रवाना हुए अपने घरों को

भिण्ड। भिण्ड में कोरोना महामारी को परास्त कर सफल उपचार के पश्चात आज 5 मरीजों को अपने-अपने घरों के लिएसकुशल रवाना किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ अजीत मिश्रा, डॉ गोयल, डॉ अवधेश सोनी, डॉ देवेश शर्मा सहित अन्यस्वास्थ विभाग के डॉक्टर नर्सेज आदि उपस्थित थे। डिस्चार्ज हुए पाँचों मरीजों में कोरोना की जंग को जीतने और सकुशल घर पहुँचने का अपार उत्साह और उमंग थी। पाँचों मरीजविजेता का भाव लिये हुये थे। घर लौटते हुए सभी ने कोरोना की इस जंग में दिन रात एक कर रहे सभी कोरोना वॉरियर्स को धन्यवादअर्पित किया। उन्होंने निशुल्क इलाज एवं अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए स्वास्थ विभाग, जिला प्रशासन एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराजसिंह चौहान का भी आभार व्यक्त किया। साथ ही आमजनों से भी कोरोना की रोकथाम हेतु शासन, प्रशासन द्वारा उठाए जा रहे कदमों मेंसहयोग की अपील की। उन्होंने यह भी संदेश दिया कि लोग घबराए नहीं बल्कि सतर्क रहें। उन्होंने आमजन से अपील कर कहा कि सभीसोशल डिसटेंसिंग का पालन करे, मास्क पहने एवं बार-बार साबुन से हाथ धोए या सेनिटाईजर का उपयोग करें। हमारी सावधानी से हीकोरोना हारेगा और देश जीतेगा।

आगरा लोधी सेना के जिलाध्यक्ष टींकूराम लोधी ने आगरा की विधानसभा खैरागढ़ थाना सैयां में नगला तेजा की 13 वर्षीय बेटी कुसुम लोधी पुत्री स्वश्री रेवती प्रसाद नाबालिक कक्षा आठवी की छात्रा के साथ दिनांख 11मई 2020 को बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी । जिसका हत्यारा सलमान उर्फ़ सोनू पुत्र श्रीइकरारखान को पुलिस प्रशासन ने पकड़ कर जेल भेज दिया । अब लोधी सेना जिलाध्यक्ष टीकू लोधी आगरा ने मांग की है कि हत्यारा सलमान उर्फ़ सोनू निवासी जनपद सीतापुर का रहने वाला था जो कि गाँव के ही शेरसिंह के यहाँ कई माह से अपना धर्म छिपाकर रह रहा था । तो वह परिवार भी दोषी की श्रेणी में आता है इसलिए शेरसिंह पर भी शिंकजा कसा जाये साथ ही लोधी सेना के जिलाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार की अनाथ बहनो की उच्च शिक्षा, वैवाहिक जीवन व अच्छी परवरिश के लिए एक करोड़ रूपये और दोनो अनाथ बहनों को सरकारी नौकरी की मांग करते हुए फतेहपुर सीकरी सांसद राजकुमार चाहर, उज्ज्वल सरकार के लघु उधोग मंत्री चौधरी उदयभान सिंह, खैरागढ़ विधायक महेश गोयल, विधायक जितेन्द्र वर्मा, विधायिका हेमलता दिवाकर कुशवाहा को ज्ञापन के साथ साथ उनके द्वारा व जिला अधिकारी आगरा के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी जी के नाम ज्ञापन प्रेषित किया और सभी जनप्रतिनिधियों ने इस ज्ञापन पर कार्यवाही करने का भरोसा दिलाया ।

ईद का त्यौहार शांति एवं सद्भावना से मनाएं : एसडीओपी अबनीश बंसल

नियमों का पालन न करने बालों के खिलाफ होगी सख्त कार्यवाही

केशब पडित जी अम्बाह

अम्बाह। थाना परिसर में ईद के त्यौहार को मद्देनजर रखते हुए आज शाम 06 बजे शांति समिति की बैठक

का आयोजन थाना परिसर अम्बाह में किया गया।जिसमे एसडीएम बिनोद सिह व तहसीलदार सर्बेश यादव व सीएमओ सुरेन्द्र शर्मा एसडीओपी अबनीश बंसल थाना प्रभारी शिबसिह यादव ने उपस्थित लोगो से ईद के त्यौहार को शांति एवं सद्भावना से मनाने की बात कही उन्होंने बताया कि कोरोना कोविड 19 महामारी के चलते शासन के नियमो का पालन करें और इकट्ठे न हो हो सके तो अपने अपने घरों में रहकर नमाज अदा करे ऐसी स्थिति न करें जिससे नियमों का उल्लंघन हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें,एसडीओपी अबनीश बंसल ने कहा की सार्वजनिक जगह पर अधिक लोग इकट्ठे न हो सोसल डिस्टेंस का पालन करें मास्क लगाएं सेनेटाइजर का उपयोग करे अगर कोई व्यक्ति फालतू घूमता दिखाई देता है तो वह व्यक्ति डायल 100 या सीधा मुझसे सम्पर्क मेरे नम्बर 9753644900 पर जानकारी उपलब्ध करा सकता है और जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जायेगा।

ठेकेदारों को दी कड़ी हिदायत-थाना शिबसिंह यादव ने शांति समिति की बैठक में स्पस्ट शब्दों में कहा कि जो लोग अपने आप को समाज के ठेकेदार मानते है बो दूर रहे अगर आप गलत की सिफारिश भी करते है तो आप पर भी कठोर से कठोर कार्यबाही की जाएगी ।

शांति समिति में ये रहे प्रमुख रूप से उपस्थित-शांति समिति की बैठक में दाऊदयाल शर्मा खेमसिह भदौरिया कबीन्द्र सिह तोमर बच्चूलाल गुप्ता बन्टी चोहान गणेशीलाल तोमर पप्पू तोमर गुड्डू खॉन भाजपा अल्पसंख्यक अध्यक्ष अब्बदुल रहू बसीम खॉन नगर बिधुत बिभाग से भूपेन्द्र शुक्लाआदि जन एबम थाना स्टाफ प्रमुख रूप से मौजूद रहा...

हारेगा कोरोना, जीतेगे हम

नौबेल कोरोना बायरस (कोबिड 19) की बैश्रिष्क महामारी से पूरा बिश्व संघर्ष कर रहा है संघर्ष की इस घडी में देश को महामारी से देश को बचाने में पुलिस की चुनौती भरी जिम्मैदारी है ! जिला मुरैना (म.प्र.)में कार्यरत अपने सहयोगी पुलिस अधिकारी व कर्मचारियो पर मुझे गर्ब महसूस हो रहा है कि वह अपने परिवार से दूर रहकर अपनी जान को जोखिम मे डालकर इस खतरनाक बाइरस से मुरैना की जनता को बचाने की हर संभव कोशिस कर रहै है समस्त पुलिस अधिकारी/ कर्मचारी द्वारा ड्यूटी निभाने मे उनके परिबार का भी सराहनीय योगदान रहा है मे अपने समस्त पुलिस अधिकारी / कर्मचारियो के साथ साथ उनके परिबार के प्रति भी हदय से आभार व्यक्त करता हू साथ ही कोरोना बाइरस से बचने की समस्त साबधानियो का पालन करने का अनुरोध करता हूँ !

रास्ते के विवाद को लेकर चली गोली, दोनों पक्ष हुए घायल

एक पक्ष पर हुआ मामला दर्ज, दूसरे पक्ष का आवेदन लिया जांच में

मोहन मांझी

गोहद थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत एचाया में कुशवाह वाली चौपाल में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षो में गोली चल गई जिसमें कालूराम कुशवाह के कमर

में गोली लगी है वही वीरेंद्र पुत्र रामकिशन राणा के हाथ मे गोली लगी। कालूराम कुशवाह की फरियाद पर आरोपी वीरेंद्र राणा पुत्र रामकिशन राठौर, राहुल पुत्र वीरेंद्र राणा, अन्ना पुत्र नरेंद्र राणा व नरेंद्र राणा पर धारा 307, 323, 34 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया है। फरियादी ने बताया आज दिनाक को सुबह साढ़े 6 बजे गांव के ही रहने वाले वीरेंद्र राणा व नरेंद्र राणा आपस मे झगड़ा विवाद कर रहे थे मय यह सब देख रहा था। वीरेंद्र राणा का मुझसे पहले का विवाद चला आ रहा है मुझे वहाँ देखकर उसने कहा अरे आलस में झगड़ा छोड़ो इस कालू को आज सबक सिखाते है। उसके बाद नरेंद्र राणा के साथ उक्त तीनों लोगों ने मुझे पकड़ लिया व लात घुसो से मारने लगे वीरेंद्र घर के अंदर के कट्टा लेकर आया और बोला आज तुझे जान से मार दूंगा जब में इन लोगो से छूटकर भागने लगा तो वीरेंद्र ने जान से मारने की नियत से गोली चला दी जो मेरी कमर में लगी ग्रामीणों की मदद से मुझे अस्पताल पहुचाया। वही पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि कुशवाह व राणा परिवार के बीच रास्ते को लेकर विवाद चल रहा था जिसमे दोनों पक्षो में गोली चल गई जिसमे वीरेंद्र राणा के हाथ मे गोली लगी व कालूराम कुशवाह के कमर में लगी है। एक पक्ष की तरफ से मामला दर्ज कर लिया है व दूसरे पक्ष का आवेदन लेकर जांच की जा रही है।

इनका कहना है

एचाया में रास्ते को लेकर विवाद पर दोनों पक्षो में गोली चल गई। जिसमें दोनों पक्ष घायल हो गए। कालू राम कुशवाह की रिपोर्ट पर वीरेंद्र राणा व उनके साथियों पर मामला दर्ज कर लिया है व राणा पक्ष का आवेदन जांच में लिया है।

नागेश शर्मा थाना प्रभारी गोहद

अनियंत्रित होकर बोलेरो सड़क किनारे रखे खम्बो से टकराई घायल को डायल-100 ने पहुँचाया अस्पताल

विकास त्रिपाठी रिपोर्टर

भिण्ड। राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-100 भोपाल के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई की जिला भिण्ड थाना दबोह के अंतर्गत गुर्जर पेट्रोल पंप के पास एक बोलेरो का एक्सीडेंट हो गया है । उक्त सूचना प्राप्ति पर जिले की डायल-100 एफ.आर.व्ही. क्र. 8 को घटना का विवरण देकर तत्काल रवाना किया गया । एफ़आरवी स्टाफ आरक्षक सिद्धांत और पायलेट देवप्रकाश ने मौके पर पहुँचकर बताया की सड़क किनारे रखे खम्बो से अनियत्रित बोलोरो के टकरा जाने से एक व्यक्ति सोनू परिहार स/ ह जगदीश परिहार निवासी टुकी सेवड़ा घायल हो गया है । डायल-100 एफ़आरवी स्टाफ द्वारा घायल को स्वास्थ्य केंद्र दबोह में भर्ती कराया गया ,सूचना देने पर से परिवारीजनों द्वारा रेफर करा इलाज हेतु ले जाया गया।

दतिया विष्णु डांसर ने किया मां बाप का नाम रोशन थी विष्णु की तमन्ना कि मैं बचपन से सोचता था की डांसर बनु

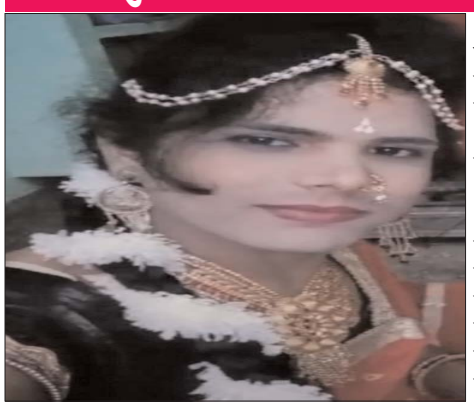

संदीप प्रधान ब्यूरो

दतिया जब विष्णु डांसर से हमने पूछा कि आपने यह कदम क्यों उठाया तो विष्णु ने कहा कि मैं एक सुपरस्टार बनने की सोच रहा हूं बाकी ऊपर वाले का आशीर्वाद है मेरे साथ बचपन से मुझे मां बाप मेरे बहुत मना करते थे की डांसर मत बनो लेकिन उसी विष्णु डांसर ने आज अपने मां बाप का नाम रोशन किया आज विष्णु डांसर के मां बाप अपने बेटे से बहुत खुश हैं और वह यह भी बताया विष्णु ने की मैं जब क्लास में छोटा था स्कूल जाता था जिन टीचरों ने मुझे पढ़ाया लिखाया वही टीचर भोपाल जैसी मध्य प्रदेश की राजधानी से मुझसे मिलने आते हैं और अपना आशीर्वाद देकर जाते हैं और कहते हैं कि बेटा हमारा आशीर्वाद आपके साथ है आप दिन रात मेहनत करो और आगे बढ़ो फिर विष्णु ने बताया कि मेरे घर के सभी मेंबर मुझसे बहुत खुश रहते हैं फिर हमने जब विष्णु से पूछा कि आप कहां-कहां कार्यक्रम करते हो तो विष्णु डांसर ने बताया की उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में जैसे कि झांसी ललितपुर इटावा और मध्य प्रदेश जैसे राज्य में कई शहरों में कार्यक्रम में जाने का मौका मिला दतिया शहर में जी मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ चैनल ऑडिशन हुआ था उसमें भी मुझे मौका मिला ग्वालियर मैं भी कार्यक्रम में जाने का मौका मिला फिर हमने पूछा विष्णु से आगे क्या करोगे तो विष्णु ने कहा सुपरस्टार डांसर बनने का ख्वाइश है जिससे मेरे सभी रिश्तेदार और परिवार के लोग मुझसे खुश रहें मैंने संकल्प दिया है कि मैं शादी नहीं करूंगा जब तक मैं सुपरस्टार ना बन जाऊं सपना चौधरी की तरह वह विष्णु ने बताया कि मैं सपना चौधरी का फैन हूं

सात जिले छोड़ कही भी कर सकते है यात्रा, नहीं होगी ई पास की जरूरत...

केशब पडित जी अम्बाह

मुरैना। प्रदेश के नागरिकों के लिए खुशखबरी है। मध्यप्रदेश सरकार ने राहत देते हुए कहा है कि अब नागरिकों को एक जिले से दूसरे जिले अब ई पास की जरूरत नहीं होगी। हालांकि अभी ये सुविधा केवल ग्रीन जोन में रहने वाले नागरिकों के लिए हैं। ग्रीन जोन में रहने वाले नागरिक दूसरे ग्रीन जोन में आसानी से जा सकते हैं, उन्हें किसी भी तरह की पास सुविधा की आवश्यकता नहीं होगी। मध्यप्रदेश के गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया है कि ग्रीन-टू-ग्रीन जोन पास-फ्री रहेगा। रेड-टू-ग्रीन जोन या ग्रीन-टू-रेड जोन में आने-जाने के लिये पास की आवश्यकता रहेगी। मंत्री डॉ. मिश्रा ने बताया है कि ग्रीन-टू-ग्रीन जोन में आवागमन के लिये अब पास की आवश्यकता नहीं रहेगी। अपने स्वयं के वाहन से यात्रा निश्चिंत होकर की जा सकेगी। उन्होंने बताया कि ग्रीन-टू-ग्रीन जोन के मध्य में यदि रेड जोन आता है तो भी हाईवे में पास की आवश्यकता नहीं रहेगी। यदि रेड जोन से ग्रीन जोन में या ग्रीन जोन से रेड जोन में आवागमन करना है तो उसके लिये प्रशासन द्वारा जारी किये जाने वाले पास की आवश्यकता रहेगी, बगैर पास के आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। राज्य शासन ने लॉकडाउन-4 के दौरान निर्दिष्ट आदेशों एवं गाइड-लाइन्स का पालन करते हुए उद्योगों को प्रारंभ करने में सभी प्रकार का सहयोग करने के निर्देश जारी किये हैं। प्रमुख सचिव, गृह एसएन मिश्रा ने कहा है कि नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे पूरी गंभीरता से जारी गाइड-लाइन्स का पालन सुनिश्चित करेंगे। रेड जोन्स के संबंध में जानकारी दी गई कि इंदौर तथा उज्जैन जिले का सम्पूर्ण क्षेत्र रेड जोन की श्रेणी में रखा गया है। साथ ही, भोपाल, बुरहानपुर, जबलपुर, खण्डवा तथा देवास नगरपालिक निगम की सीमाओं के अधीन सम्मिलित क्षेत्र एवं मंदसौर, नीमच, धार एवं कुक्षी नगरपालिका की सीमाओं के अधीन सम्मिलित क्षेत्र भी रेड जोन की श्रेणी में होंगे। पूरे प्रदेश में यात्री बसों का संचालन प्रतिबंधित रहेगा। किन्तु राज्य सरकार द्वारा मजदूरों को परिवहन में लगाई गई बसें और फैक्ट्री संचालन के लिये मजदूरों को लाने-ले जाने वाली बसें इस प्रतिबंध से मुक्त होंगी। फैक्ट्री मजदूरों के लिये पास फैक्ट्री प्रबंधन द्वारा ही जारी किया जा सकेगा। रेड जोन में सम्मिलित इंदौर और उज्जैन जिलों के शहरी क्षेत्रों में बाजार परिसर भी आगामी आदेश तक बंद रहेंगे, किन्तु स्टैण्ड अलोन दुकानें, मोहल्ले की दुकानें, रहवासी परिसर में स्थित दुकानें तथा बाजारों में स्थित आवश्यक वस्तुओं की दुकानें इस प्रतिबंध से मुक्त रहेंगी। नगर निगम भोपाल, बुरहानपुर, जबलपुर, खण्डवा तथा देवास नगरपालिक सीमाओं के अधीन एवं मंदसौर, नीमच, धार एवं कुक्षी (नगर निगम एवं नगरपालिकाओं) की सीमा के बाहर स्थित सभी प्रकार की दुकानें सामान्य स्थिति में खुली रहेंगी।

डार्लिंगटन एस.सी. में नेसकार एक्सफि निटी श्रृखला ऑटो रेस के दौरान लीड करते 9 नंबर की कार में नूह ग्रैगसन और उनके पीछे रॉस चैस्टेन 10 नंबर की कार में।

लाइव शो में गंभीर ने प्रसाद से कहा-

सिलेक्टर्स के कुछ फैसले हैरान करने वाले थे, ज्यादा अनुभवी होना जरूरी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह, सुरेश रैना के बाद गौतम गंभीर ने भी सिलेक्शन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। गंभीर ने एक टीवी शो में पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद और के. श्रीकांत से कहा कि सिलेक्टर्स को ज्यादा अनुभवी होना चाहिए। उनके इस बयान का प्रसाद ने विरोध किया और दोनों में इसे लेकर नोंकझोंक हुई।

प्रसाद ने अपने करियर में 17 वनडे और सिर्फ 6 टेस्ट ही खेले थे। गंभीर ने इस शो में कहा- अब समय आ गया है कि कप्तान और कोच को सिलेक्शन प्रक्रिया में वोटिंग का अधिकार मिलना चाहिए। समय आ गया है कि अब कप्तान भी सिलेक्टर

बने। प्लेइंग-11 में सिलेक्टर्स का कोई दखल नहीं होगा चाहिए। टीम चुनने का अधिकार पूरी तरह कप्तान के पास होना चाहिए। इस पर पूर्व चीफ सिलेक्टर ने कहा कि टीम सिलेक्शन में हमेशा कप्तान की सलाह ली जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं है।

नंबर-4 के लिए सिलेक्टर बल्लेबाज नहीं ढूंढ पाए

गंभीर ने इस दौरान नंबर-4 पर स्थायी बल्लेबाज ढूंढने में नाकाम रहने पर पूर्व चीफ सिलेक्टर एमएसके प्रसाद को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि नंबर-4 पर बल्लेबाज नहीं ढूंढ पाने का भारत को वर्ल्ड कप में खामियाजा उठाना पड़ा। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, ह्यह्यसिलेक्टर्स के कई फैसला चौंकाने वाले रहे। कम से कम अंबाती रायडू को वर्ल्ड कप के लिए न चुनना तो हैरान करने वाला था। इसके बाद देखिए कि रायडू के साथ क्या हुआ। आपने उसे दो साल के लिए टीम में रखा। इस दौरान उसने चार नंबर पर बल्लेबाजी की। लेकिन वर्ल्ड कप से ठीक पहले आपको थ्री-डी प्लेयर की जरूरत पड़ गई।

भारतीय ओलिंपिक संघ के महासचिव बोले

खिलाड़ी जल्दबाजी में ट्रेनिंग शुरू न करें एक गलत कदम भारी पड़ सकता है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लॉकडाउन के चौथे फेज में सरकार ने भले ही खिलाड़ियों को कुछ शर्तों के साथ ट्रेनिंग की छूट दी है। लेकिन भारतीय ओलिंपिक संघ(आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने खिलाड़ियों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोरोनावायरस के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, ऐसे में खिलाड़ियों को जल्दबाजी में ट्रेनिंग नहीं शुरू करनी चाहिए। मेहता ने कहा कि इस हालात में एक गलत कदम भी उनकी ओलिंपिक की तैयारियों पर भारी पड़ सकता है। उन्होंने गुरुवार को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा खिलाड़ियों की ट्रेनिंग के लिए जारी किए गए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर यानी एसओपी पर विरोध जताया। उन्होंने कहा,ह्यह्य भगवान न करें, अगर कोई एथलीट कोरोना पॉजिटिव होता है तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा?। इसका खामियाजा खिलाड़ी को भुगतना पड़ेगा और उसकी ओलिंपिक तैयारियों पर बुरा असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि एथलीट्स को दोबारा ट्रेनिंग शुरू करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

'देश में कोरोना केस बढ़ रहे, इसलिए आउटडोर ट्रेनिंग से बचें खिलाड़ी'

आईओए महासचिव ने आगे कहा- यह मेरे निजी विचार हैं कि एथलीट्स को अभी आउटडोर ट्रेनिंग नही शुरू करनी चाहिए। देश में तेजी से कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। जून में इसमें और इजाफा होने की आशंका है। एथलीट्स हमारे बच्चों की तरह है। इसलिए उन्हें मेरी यह सलाह है। मैं किसी के खिलाफ नहीं हूं। लेकिन ट्रेनिंग शुरू करने का फैसला खिलाड़ियों पर ही है।

खेल मंत्रालय ने एसओपी जारी की

एक दिन पहले ही स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने खेलों की सुरक्षित वापसी को लेकर जो 45 पन्नों का एसओपी तैयार किया है। इसमें खेलों को चार हिस्सों में बांटा गया है। कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स, मीडियम कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स, फुल कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स और वाटर स्पोर्ट्स। सबके लिए अलग से गाइडलाइन जारी की गई है।

कुश्ती-बॉक्सिंग के खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ ट्रेनिंग नहीं कर सकेंगे

कुश्ती, बॉक्सिंग जैसे कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स (दो खिलाड़ियों के बीच आपसी सम्पर्क) के खिलाड़ी एक-दूसरे के साथ ट्रेनिंग नहीं कर सकेंगे। एथलेटिक्स के खिलाड़ियों को सभी इवेंट की प्रैक्टिस की छूट दी गई है। लेकिन हाईजंप, पोल वॉल्ट, शॉटपुट, जैवलिन, डिस्कस थ्रो से जुड़े खिलाड़ियों को इक्विपेंट अपना इस्तेमाल करना होगा।

बिना दर्शकों के टूर्नामेंट होंगे, एसी की जगह हवादार एरिना में मुकाबले होंगे: फेडरेशन

लॉकडाउन खत्म होने के बाद बॉक्सिंग टूर्नामेंट बिना दर्शकों के शुरू होंगे। इतना ही नहीं एयर कंडीशन्ड वेन्यू की जगह खुले और हवादार एरिना में मुकाबले होंगे। इस संबंध में बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने 19 पन्नों का स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) जारी किया है। कोरोनावायरस के खतरे को देखते हुए 60 साल से ज्यादा उम्र के ऑफिशियल्स को भी रिंग के पास आने-जाने की इजाजत नहीं होगी। साई ने खिलाड़ियों के लिए जो हेल्थ प्रोटोकॉल जारी किए हैं, उसका भी पालन करना होगा। भारतीय खेल प्राधिकरण ने बॉक्सिंग को कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स में रखा है। क्योंकि यहां खिलाड़ियों के बीच आपसी सम्पर्क ज्यादा होता है। इसलिए संक्रमण के खतरे को देखते हुए फिलहाल व्यक्तिगत ट्रेनिंग की इजाजत ही दी गई है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप की उम्मीद बेहद कम, कहा

ऑस्ट्रेलिया की भारत से घरेलू टेस्ट सीरीज के भी 90% चांस

- इस साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होना है
- नवंबर-दिसंबर में भारत को ऑस्ट्रेलिया से 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलना है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इस साल होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर मेजबान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को बेहद कम उम्मीद है। हालांकि, सीए प्रमुख केविन रॉबर्ट्स का मानना है कि साल के आखिर में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरा कर सकती है। इसकी 90 प्रतिशत संभावना है। दोनों टीमों को नवंबर-दिसंबर में 4 टेस्ट और 3 वनडे की सीरीज खेलना है। इस साल ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप 18 अक्टूबर से 15 नवंबर के बीच होना है। कोरोनावायरस के कारण ऑस्ट्रेलिया में सितंबर तक विदेशी यात्रियों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ऐसे में 16 देशों के इस टूर्नामेंट की उम्मीद बेहद कम है। रॉबर्ट्स ने कहा कि 15 टीमों को कोरोना के बीच ऑस्ट्रेलिया लाना और टूर्नामेंट कराना बेहद मुश्किल होगा।

उन्होंने कहा, अभी इसके बारे में कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा जा सकता है। लेकिन हालात धीरे-धीरे सुधर रहे हैं। आप नहीं जानते कि भविष्य में क्या संभव हो सकता है और क्या नहीं। टूर्नामेंट को लेकर (इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल) पूरी तरह से आईसीसी को ही फैसला लेना है।

अगले साल ही कराया जाए टी-20 वर्ल्ड कप: ग्रीम स्मिथ

वहीं, क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के डायरेक्टर ग्रीम स्मिथ ने कहा, ह्यह्यउम्मीद थी कि हम टी-20 वर्ल्ड कप से पहले 14 मैच खेल लेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। मुझे लगता है कि सबसे सही विकल्प यही होगा कि वर्ल्ड कप को टाल दिया जाए। इस टूर्नामेंट को अगले साल की शुरूआत में ही कराया जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर यह कहा जा रहा है कि बीसीसीआई वर्ल्ड कप को टालने और उसकी जगह आईपीएल के कराने की कोशिश कर रही है। हालांकि, बीसीसीआई के कोषाध्यक्ष अरुण धूमल ने इन बातों को नकार दिया। उन्होंने रॉयटर्स से कहा, ह्यह्यवर्ल्ड कप को टालने का सुझाव बीसीसीआई क्यों देगा? इस मामले में आईसीसी जो फैसला लेगा, उसे सब मानेंगे। यदि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया वर्ल्ड कप कराने की घोषणा करता है और वह इसे अच्छे से संभाल सकता है, तो यह उसका निर्णय है। बीसीसीआई कोई सुझाव नहीं देगा।

आज दुनिया में निश्चितता जैसा कुछ नहीं: रॉबर्ट्स

भारतीय टीम की मेजबानी को लेकर किए गए सवाल पर रॉबर्ट्स ने कहा, ह्यह्यमुझे लगता है कि आज की दुनिया में निश्चितता जैसा कुछ भी नहीं है, इसलिए मैं इसको (टेस्ट सीरीज) लेकर 10 में से 10 नंबर नहीं दे सकता। लेकिन मैं 10 में से 9 नंबर जरूर दे सकता हूं। हमें अभी सिर्फ इंतजार करना चाहिए और देखना चाहिए कि होता क्या है।

भारत की मेजबानी से पहले इंग्लैंड दौरे पर जा सकती है ऑस्ट्रेलिया

फिलहाल, ऑस्ट्रेलिया बोर्ड भारत के साथ सीरीज से पहले इंग्लैंड दौरे पर वनडे और टी-20 की सीरीज खेलने की योजना बना रहा है। इंग्लैंड को जुलाई और अगस्त में वेस्टइंडीज और पाकिस्तान के साथ घरेलू सीरीज खेलना है। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया टीम इंग्लैंड दौरे पर जा सकती है। रॉबर्ट्स ने कहा, हमारे लिए खिलाड़ियों की सुरक्षा ज्यादा जरूरी है, लेकिन पाकिस्तान और विंडीज दौरे सफल होता है, तो इंग्लैंड से सीरीज हो सकती है। सूत्रों की मानें तो टी-20 वर्ल्ड कप का टलना लगभग तय माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया टूर्नामेंट को लेकर आईसीसी के साथ जल्द ही बैठक करेगा। इसके बाद वर्ल्ड कप के टलने की घोषणा हो सकती है। ऐसी स्थिति में टूर्नामेंट के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के पास तीन विकल्प हो सकते हैं। टी-20 वर्ल्ड कप को अगले साल की शुरूआत में कराया जा सकता है। लेकिन तब मार्च-अप्रैल में आईपीएल भी होगा। साथ ही जनवरी-मार्च में इंग्लैंड को भारत दौरे करना है। जहां 5 टेस्ट की अहम और बड़ी सीरीज खेली जाएगी। ऐसे में वर्ल्ड कप होना बेहद मुश्किल होगा।

घरेलू क्रिकेटर असलम शेख की मदद को आगे आएं वसीम जाफर और रहाणे

नई दिल्ली। मुंबई के घरेलू क्रिकेटर असलम शेख पिछले कुछ समय से अपने स्वास्थ्य को लेकर परेशानियों से जूझ रहे थे। हालांकि जैसे ही क्रिकेट जगत को अपने साथी खिलाड़ी की तकलीफ के बारे में पता चला वे सभी मदद के लिए आगे आ गए। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय पाटिल से लेकर पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर और भारतीय टेस्ट टीम के उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे ने शेख की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। मुंबई के इस पूर्व तेज गेंदबाज असलम शेख घरेलू क्लब के मैच खेलकर अपना खर्चा चलाते थे। हालांकि तीन साल पहले उनके नर्वस सिस्टम में कुछ परेशानी आई थी, इसके बाद वह व्हील चेयर पर बैठने पर मजबूर हैं। पिछले एक हफ्ते में उनकी हालत काफी खराब हो गई लेकिन इलाज के लिए उनके पास पैसे नहीं थे। इसके बाद अब क्रिकेट जगत मदद के लिए आगे आ गया है।

तेंदुलकर ने मुश्किल दौर में बल्लेबाजी की, आज खेलते तो 1.30 लाख रन बना देते: शोएब अख्तर

लाहौर ■ एजेंसी

क्रिकेट की दुनिया में मौजूदा भारतीय कप्तान विराट कोहली की लेजेंड सचिन तेंदुलकर से हमेशा तुलना की जाती रही है। इसे पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने गलत बताया है। उन्होंने कहा कि सचिन ने मुश्किल दौर में बल्लेबाजी की है। यदि वे आज खेलते तो 1.30 लाख रन बना देते। वहीं, पूर्व भारतीय बल्लेबाज गौतम गंभीर ने सचिन को वनडे में विराट से ज्यादा बेहतर बताया है। अख्तर ने हेलो एप पर चैटिंग करते हुए कहा, सचिन ने दिग्गज टीमों और गेंदबाजों का सामना किया है। इसलिए वे मेरी नजर में कोहली से आगे हैं। सचिन ने मुश्किल दौर में बल्लेबाजी की है। यदि उन्हें आज मौका मिलता तो वे 1.30 लाख रन बनाते। इसलिए मेरा मानना है कि सचिन और विराट की तुलना करना ठीक नहीं होगा।

98 रन पर आउट करके दुखी हुआ था

अख्तर ने 2003 वर्ल्ड कप में सचिन को 98 रन पर आउट किया था। इस पर अख्तर ने कहा, मैं काफी दुखी था, क्योंकि सचिन 98 रन पर आउट हो गए थे। वह एक स्पेशल पारी थी। उन्हें शतक बनाना चाहिए था। मैं चाहता था कि वह शतक पूरा करें। उस बाउंसर पर मैं छक्का देखना पसंद करता जो उन्होंने मुझे पहले मारा था।

विराट की तुलना में सचिन सफल खिलाड़ी

गंभीर ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में कहा, सचिन वनडे में सबसे सफल खिलाड़ी हैं, क्योंकि उनके समय 30 गज के घेरे में 4 खिलाड़ी होते थे और सिर्फ एक गेंद का ही इस्तेमाल होता था।

कैरेबियन विंसी टी-10 प्रीमियर लीग शुरू, दर्शकों से भरे मैदान में हर रोज 3 मैच, छह टीमें 10 दिन में 28 मुकाबले

नई दिल्ली। कोरोनावायरस के बीच आज से पूर्वी कैरेबियन देश सेंट विंसेंट और द ग्रेनेडाइंस में विंसी प्रीमियर टी-10 लीग (वीपीएल) शुरू हो रही है। यह 31 मई तक खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में दर्शक भी मैच देखने के लिए आ सकते हैं। टूर्नामेंट में सभी 6 टीमें 10 दिन में 28 मुकाबले खेलेंगी। हर रोज 3 मैच खेले जाएंगे। मैच का सीधा प्रसारण फैनकोड एप पर भारतीय समयानुसार शाम 6 बजे से रात 10.30 तक होगा। इस लीग की 6 टीमों में कुल 72 खिलाड़ी शामिल हैं।

गेंद को चमकाने के लिए लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध

यह पहला क्रिकेट टूर्नामेंट होगा, जिसमें गेंद को चमकाने के लिए लार या पसीने का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। हाल ही में इंटरनेशन क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने क्रिकेट में लार के इस्तेमाल पर रोक लगाने की सिफारिश की है, जबकि पसीने के इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं लगाया है।

सभी टीमों के लिए अलग-अलग ड्रेसिंग रूम

यह लीग सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस क्रिकेट एसोसिएशन (एसवीजीए) द्वारा कराई जा रही है। एसवीजीए के अध्यक्ष किशोर शालो क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, ह्यह्यसभी टीमों के लिए बड़े और अलग-अलग ड्रेसिंग रूम बनाए गए हैं, ताकि सभी खिलाड़ी भीड़ से बच सकें। सभी प्लेयर्स को प्रैक्टिस के लिए भी अलग-अलग जगह उपलब्ध कराई गई है।ह्णह्ण

हाथ सैनिटाइज करने के लिए मिलेगा शॉर्ट ब्रेक

शालो ने कहा कि खिलाड़ी मैच के दौरान फैंस से नहीं मिल सकेंगे। सरकार की सलाह के अनुसार काम किया जाएगा। मैच के दौरान शॉर्ट ब्रेक भी होगा ताकि खिलाड़ी हाथ को सैनिटाइज कर सकें। साथ ही एंटी करप्शन नियमों का भी पूरी तरह से पालन किया जाएगा।

शेयर बाजार — बीएसई प्राइवेट बैंक सेक्टर में 2.96% और बीएसई बैंकेक्स सेक्टर में 2.44% की गिरावट रही

आरबीआई की घोषणाओं के बाद भी बीएसई और निफ्टी गिरकर हुए बंद, बैंक सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान

- बीएसई 260 अंक नीचे 30,672 पर और निफ्टी 67 पॉइंट नीचे 9,039 पर बंद हुआ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

शुक्रवार, 22 मई को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कई अहम घोषणाएं कीं। होम लोन, ऑटो लोन सस्ते करने के लिए प्रमुख ब्याज दर रेपो रेट 0.40% घटाकर 4% पर ला दिया है। यह 20 साल में सबसे कम है। ऐसा माना जा रहा था कि आरबीआई की घोषणाओं का असर शेयर बाजार पर होगा और इसमें उछाल देखने को मिलेगा। लेकिन बीएसई 260.31 अंक नीचे 30,672.59 पर और निफ्टी 67.00 पॉइंट नीचे 9,039.25 पर बंद हुआ। आरबीआई ने टर्म लोन मोरटोरियम 31 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। पहले यह 31 मई तक के लिए था। तीन महीने और बढ़ने से अब 6 महीने के मोरटोरियम की सुविधा हो गई है। यानी इन 6 महीने अगर आप अपनी एटक नहीं चुकाते हैं तो आपका लोन डिफॉल्ट या एनपीए कैटेगरी में नहीं माना जाएगा। एमपीसी की बैठक में 6-5 सदस्यों ने ब्याज दरें घटाने के पक्ष में सहमति जताई। इस फैसले से होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन सहित सभी तरह के कर्ज पर ईएमआई सस्ती होगी। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने पिछली बार 27 मार्च को रेपो दर में 0.75 प्रतिशत की कमी करते हुए इसे 4.14 प्रतिशत कर दिया था।

बाजार पर नहीं आई बढ़त

आरबीआई की घोषणाएं बाजार में बढ़त लाने में नाकाम रहीं। बीएसई के 23 में से सिर्फ 5 सेक्टर में ही बढ़त रही। बीएसई प्राइवेट बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.96% और बीएसई बैंकेक्स सेक्टर में 2.44% की गिरावट दर्ज हुई। सिर्फ कोटक बैंक को छोड़कर अन्य सभी बैंकों के शेयरों में गिरावट रही। इस लिस्ट में देश का सबसे बड़ा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का नाम भी शामिल रहा।

उज्ज्वला योजना: अप्रैल-मई में मुफ्त वितरित किए 6.8 करोड़ सिलैंडर: पेट्रोलियम मंत्रालय

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के आठ करोड़ लाभार्थियों को अप्रैल से मई मध्य तक 6.8 करोड़ रसोई गैस सिलैंडर (एलपीजी) मुफ्त में वितरित किए गए हैं। पेट्रोलियम मंत्रालय ने यह जानकारी दी। कोविड-19 से प्रभावित गरीब परिवारों को राहत के लिए सरकार ने मार्च में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत उज्ज्वला लाभार्थियों को अप्रैल से जून तक 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलैंडर मुफ्त देने की घोषणा की थी यानी आठ करोड़ लाभार्थियों को 24 करोड़ रसोई गैस सिलैंडर मुफ्त दिए जाने है। मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल में पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने योजना के लाभार्थियों को 4.53

करोड़ रसोई गैस सिलैंडर वितरित किए। 20 मई, 2020 तक इन लाभार्थियों को कुल 6.79 करोड़ सिलैंडर दिए जा चुके थे। यदि गैस सिलैंडर वितरण की यही रफ्तार कायम रहती है तो अप्रैल से जून तक 14 करोड़ से अधिक सिलैंडर नहीं दिए जा सकेंगे, जो 24 करोड़ के लक्ष्य से काफी कम है। सरकार ने इस योजना के तहत 13,000 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रावधान किया है।

अवैध मदिरा निर्माण की सामग्री बरामद

ग्वालियर - कोरोना के संक्रमणकाल के दौरान मदिरा दुकानें चलने में ठेकेदारों को कोई परेशानी न हो, इसको ध्यान में रखते हुये असिस्टेंट कमिश्नर श्री संदीप शर्मा के स्पष्ट निर्देश हैं कि आबकारी दल ग्रामीण क्षेत्र की दुकानों के निरीक्षण के साथ-साथ यह भी देखे कि कहीं भी अवैध मदिरा की बिक्री न हो पाये। अतः आज सुसेरा कोठी रुद्रपुर ग्राम के पास नाले के किनारे एवं जलालपुर कंजर के डेरे पर आबकारी बल द्वारा दबिश दी गई जिसमें 400 केजी गुड लहान एवं 400 लीटर हाथ भट्टी मदिरा एवं मदिरा निर्माण की सामग्री जप्त की गई उक्त कार्यवाही में कंट्रोल रूम प्रभारी श्री सुरेंद्र सिंह राठौर एडीओ श्री हेमंत भारद्वाज आबकारी उप निरीक्षक श्रीमती निधि गुप्ता, आमीन खान, अर्पणा विश्वकर्मा, सपना यादव उपस्थित रहे एवं जिले के समस्त मुख्य आरक्षक एवं आरक्षको का सराहनीय योगदान रहा

ग्रुप 31 से 60 के कार्यकारिणी समिति सदस्यों के साथ चेम्बर का मंथन

कोरोना से जागरूकता में करेंगे सहयोग

ग्वालियर। चेम्बर की मांग पर जिला प्रशासन द्वारा बाजारों को खोले जाने पर चेम्बर की भूमिका को लेकर आज ग्रुप 31 से 60 के कार्यकारिणी समिति सदस्यों के साथ चेम्बर ने मंथन किया। इस अवसर पर चेम्बर अध्यक्ष-विजय गोयल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा कुछ व्यापार को छोड़कर लगभग सभी व्यापार खोल दिये गये हैं7 हम व्यापार और परिवार के बीच इस संक्रमण काल में कैसे सुरक्षित रहें व बाजारों में हमारी क्या भूमिका हो, इस पर कल भी मंथन किया गया था, उसमें जो सुझाव आये हैं, उन्हें नोट कर, हमने कार्य प्रारंभ कर दिया है7 आज आप जो सुझाव देंगे उनको सम्मिलित करते हुए चेम्बर कार्य करेगा7

मानसेवी सचिव-डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि मंथन कार्यक्रम के तहत हमने समस्याओं को एकत्र कर, जिला प्रशासन से चर्चा कर, उन्हें दूर कराने का प्रयास किया है7 इस लॉकडाउन में चेम्बर ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है7 चेम्बर ने सामाजिक दायित्व निभाते हुए जहां जरूरतमंदो को फूड पैकेट का वितरण किया वहीं नगर निगम द्वारा सर्पत्ति कर परिक्षेत्र बदलकर प्रस्तावित कर वृद्धि पर भी विरोध दर्ज कराया और निगम आयुक्त महोदय से चर्चा की जिसके परिणामस्वरूप यह वृद्धि अब नहीं होगी, इसका सबसे जयादा भार उद्योगों पर पड़ने जा रहा था7 चेम्बर ने बिजली संबंधी चार मुद्दों पर लड़ाई लड़ी है, जिसमें दो पर हमें सफलता मिल गई है और दो मुद्दे जो कि फिक्सड चार्ज व संविदा मांग के हैं, उनमें शीघ्र सफलता मिलेगी, इसके लिए हम आश?वस्त हैं और इसके लिए जो कदम उठाने की आवश्यकता होगी वह चेम्बर उठायेगा7 हमें कोरोना से जागरूकता के लिए कार्य करना है, इसके लिए हमारे कार्यकारिणी सदस्य जिन क्षेत्रों में हैं वह अपने बाजार/क्षेत्र में यह सुनिश?चित करें कि कोविड-19 के सुरक्षा मानकों जैसे-फिजिकल डिस्टेंसिंग, मास्क, सैनिटाइजर आदि का प्रयोग होता रहे7 आपने मोबाइल एप के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी7

संयुक्त अध्यक्ष-प्रशांत गंगवाल ने कहा कि लॉकडाउन का समय तो निकल गया है पर आने वाला समय इण्डस्ट्री के लिए कठिन है पर हम सकारात्मक रूप से चलेंगे तो शीघ्र ही हम सामान्य जीवन जीना शुरू करेंगे7 यदि हमने सुरक्षा मानकों का प्रयोग किया तो कोरोना हमारे पास नहीं आयेगा और जल्द ही खत्म हो जायेगा7

कोषाध्यक्ष-वसंत अग्रवाल ने कहा आज आप लोगों से मिलकर सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो रहा है7 यदि हम पॉजिटिविटी के साथ रहे और सुरक्षा मानकों का प्रयोग किया तो हम सुरक्षित रहेंगे7 अभी भले ही कारोबार धीमा हो पर आगे हम जरूर तरक्की करेंगे7

इस अवसर पर मंथन में उपस्थित कार्यकारिणी समिति सदस्य-आशीष सिंघल, आयुष लड्ढा, संजय धवन, अरूण बंसल, मनोहर कुकरेजा, विपिन गर्ग, अतुल जैन, प्रदीप सिंघल, खालिद कुरैशी, साकेत आनंद, सुनील कोहली, पंकज सिंहल, प्रदीप जाजू, सुनील अग्रवाल, नरेन्द्र पाल, श्रीमती अलका श्रीवास्तव, महेश खटोड़ आदि ने चेम्बर के कार्यों की प्रशंसा की7 बिजली के बिलों से फिक्सड चार्ज हटाने तथा गारबेज शुल्क की वसूली को रोकने की मांग की7 साथ ही, कहा कि कोरोना के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए7 इसमें चेम्बर द्वारा जो जिम्मेदारी सौंपी जायेगी वह हम निभायेंगे।

ऐसा प्रभारी जो देश सेवा के साथ साथ कर रहा जन सेवा

ग्वालियर। इस कोरोना महामारी के चलते ऐसे कई वाक्य सामने आये है ग्वालियर पुलिस कर्मियों के जिन्होंने आम जन के लिये हर संभव मदत करने का प्रयास किया और साथ ही साथ मदतगार के रूप में कार्यगार भी सावित हुये साथ ही हमे ये भी समझना चाहिये कि पुलिस जिस तरह से दिन रात आम जन सेवा में लगी है जिससे कि आम जन घर रहे सुरक्षित रहे लेकिन आम जन इस बात को समझने को तैयार नही है ऐसे ही सभी कार्यो के चलते अगर बात की जाये ग्वालियर के थाना हजीरा की तो लॉक डाउन में जितनी अवैध धन्दे करने बालो की कमर तोड़ी है उतनी किसी भी थाने में नही तोड़ी गई है । ऐसे कई अपराधियो को हजीरा पुलिस ने इस कोरोना के समय मे पकड़ा की अपराध जैसे होते ही न हो इस थाने के अंतर्गत यही कारण है जिसकी बजय से एक खास पहचान बना ली है हजीरा थाना प्रभारी आलोक परिहार ने जिनके कार्यकाल में आपराधिक गतिविधिया बहुत कम हुई और अप्राधिक लोगों में डर का माहौल बना हुआ है जिसकी बजय अपराधों की संख्या कम हुई है । आलोक परिहार सामाजिक कार्यो में रुचि रखते है

यह देखनो लॉक डाउन में क्योंकि लॉक डाउन में गायो की स्तिथि बड़ी दयनीय हो गई थी जहाँ एक ओर खाना नही मिल पा रहा था बही प्रभारी आलोक परिहार द्वार शुरू में गुड़ की व्यवस्था की गई जब ओर कमी नजर आई तो ट्राली भरके गऊ माता के लिये हरे चारे के प्रबंध कराया जिससे कि गऊ माता को कुछ हद तक राहत मिले । चूँकि आलोक परिहार पशु प्रेमी है यह बात का अंदाज़ा हम इन कार्यो को देखकर भी लगा सकते है । लेकिन बात यही खत्म नही होती है आलोक परिहार जन सहयोगी भी निकले यह बात तब पता चली जब बिरला नगर स्तिथ काँचमिल में लल्ला तोमर द्वारा लॉक डाउन के शुरू से जरूरत मन्दो को भोजन वितरण का कार्य किया जा रहा है जिसमे लल्ला तोमर द्वारा निरंतर 700 से 800 लोगो प्रतिदिन भोजन की व्यवस्था की जा रही है और अभी तक यह कार्य निरन्तर जारी है जब इस बात की खबर आलोक परिहार को लगी तो लल्ला तोमर को भोजन के सहयोग के लिये कई किलो राशन एवम तेल की व्यवस्था की गई जिससे कि कार्य निरंतर जारी रहे । लेकिन जब जनकारी की गई कि तो इन सब कार्यो की चर्चा उन्होंने किसी से नही की चूँकि प्रभारी का मानना है कि जितना हो सके उतना सहयोग करते रहना चाहिये आम का । आज अगर कोई व्यक्ति सक्षम है सहयोग करने में तो उसको आगे जरूर आना चाहिये। ऐसे नेक दिल थाना प्रभारी आलोक परिहार को हमारी ओर से सलाम।

ग्वालियर-चंबल संभाग में शनिवार को 3 हजार 768 से अधिक श्रमिकों को भेजा उनके घर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने हेतु देश में लागू लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न राज्यों में प्रदेश के एवं सीमावर्ती राज्यों के फँसे प्रवासी श्रमिकों को उनके घरों तक पहुँचाने की व्यवस्था मध्यप्रदेश सरकार द्वारा की गई है। प्रदेश सहित अन्य राज्यों में फँसे मजदूरों को लाने का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में शनिवार को ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचे लगभग 3 हजार 768 श्रमिकों को विशेष बसों में बैठाकर उनके गंतव्य स्थल तक भेजा गया। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशों के तहत ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में पहुँचने वाले प्रवासी श्रमिकों की थर्मल स्क्रीनिंग, ठहरने, भोजन, चाय, नाश्ता, पेयजल आदि की व्यवस्था के साथ प्रदेश के गृह जिलों तथा पड़ोसी राज्यों की सीमाओं पर भेजने के लिये स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा बसों के विशेष प्रबंध किए गए हैं। इन प्रवासी मजदूरों को भेजने के पूर्व उनके नाम, पता, मोबाइल नम्बर लेने के बाद ही रवाना किया जा रहा है। ग्वालियर एवं चंबल संभाग के जिलों में शनिवार को ग्वालियर संभाग के ग्वालियर जिले में कुल 750 श्रमिकों को मालवा कॉलेज में बनाए गए राहत शिविर एवं ट्रेन से आए श्रमिकों को विशेष बसों द्वारा रवाना किया गया। शिवपुरी जिले में 188, दतिया में 539, अशोकनगर में 22 और गुना जिले में आए 72 श्रमिकों को उनके घरों तक भेजा गया है। इसी प्रकार चंबल संभाग के मुरैना जिले में 1465 श्रमिकों को, भिण्ड में 637 श्रमिकों को, श्योपुर जिले में 95 श्रमिकों की बॉर्डर पर थर्मल स्क्रीनिंग कर गंतव्य स्थल के लिये रवाना किया गया।

जिले में टिड्डी दल के मूवमेंट से किसान सतर्क रहें

ग्वालियर। जिले के घाटीगांव, डबरा तथा भितरवार विकासखण्डों के ग्रामों में शुक्रवार एवं शनिवार को टिड्डी दल का मूवमेंट देखने को मिला है। इन टिड्डी दलों के प्रभावी नियंत्रण हेतु जिला स्तरीय अनुविभागीय तथा ग्राम स्तरीय दलों का गठन कर आवश्यक संसाधन तथा कीटनाशक औषधियां, फायरब्रिगेड, ट्रेक्टर चलित स्प्रे पम्पों आदि की व्यवस्था की गई है, जिससे टिड्डी दल की सूचना मिलने पर प्रभावित क्षेत्र में भेजा जा सके। कृषकों को टिड्डी दलों के मूवमेंट के दौरान फसलों एवं वृक्षों को नष्ट होने से बचाने हेतु कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा परंपरागत ढोल, डीजे, थाली बजाकर एवं पटाखे चलाकर तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों की ध्वनि करने की सलाह दी गई है। कृषक बंधुओं को सलाह है कि टिड्डी दल पर रसायनिक नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 प्रतिशत ई.सी. मात्रा 1200 मिली, 500 लीटर पानी का घोल, क्लोरोपायरीफॉस 50 प्रतिशत ई.सी. मात्रा 50 मिली., 500 लीटर पानी में लेमडासायलोथिन 5 प्रतिशत ई.सी. मात्रा 400 मि.ली., 500 लीटर पानी में मेलाथियॉन 50 प्रतिशत ई.सी. मात्रा 1800 मि.ली., 500 लीटर पानी में एवं डेल्टामेथेन 2.8 प्रतिशत मात्रा 500 मि.ली., 500 लीटर पानी का घोल बनाकर टिड्डी दल पर छिडकाव कर नियंत्रण पाया जा सकता है। टिड्डी दल प्राय-प्रात-7 से शाम 8 बजे तक मूमेंट करता है। समूल रूप से पत्तों को खाकर नष्ट कर देता है।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उपसंचालक डॉ. आनंद बड़ोनिया ने बताया कि शुक्रवार को जिले के घाटीगांव विकासखण्ड के ग्राम दौरार, पाटई, डगोरा, डबरा विकासखण्ड के ग्राम नुन्हारी, भैंसनारी, सिमिरिया, झाडोली, देवरा, खेडीरायमल, सर्वा, समचोली, भितरवार विकासखण्ड के ग्राम ईटमा, भानगढ़, नीवी में जबकि शनिवार को घाटीगांव के ग्राम दौरार, करही, पाटई में भितरवार के ग्राम रही, श्यामपुर, जौरा, पलायछा, सहारन और सांखनी में देखा गया, जिसका मूवमेंट शिवपुरी जिले के नरवर एवं करैरा विकासखण्ड तथा दतिया जिले की ओर हुआ है।

होटल तानसेन रेसीडेंसी द्वारा शहरवासियों के लिये शुरू की गई

होम डिलेवरी व टेक अवे की सुविधा

ग्वालियर। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा होटल तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर से होम डिलेवरी व टेक अवे की सुविधा शहरवासियों के लिये शुरू कर दी गई है। मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा होटल तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर से होम डिलेवरी व टेक अवे की सुविधा शहर के नागरिकों के लिये 21 मई से शुरू कर दी गई है।

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि पर्यटन विकास भोपाल के प्रबंध संचालक द्वारा होटल तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर से होम डिलेवरी व टेक अवे की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के तहत 21 मई 2020 से साफ-सुथरा एवं स्वादिष्ट भोजन के लिये होम डिलेवरी व टेक अवे की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही नागरिकों को रियायती दरों पर थाली मील की सुविधा भी उपलब्ध है। क्षेत्रीय प्रबंधक ने बताया कि होटल में खाना बनाते समय स्टाफ द्वारा मास्क, ग्लब्स, हैडकैप आदि का उपयोग किया जाता है। होटल व किचिन को निरंतर सेनेटाइज भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ऑर्डर हेतु होटल तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर के महाप्रबंधक श्री एच एस डण्डौतिया के मोबाइल नम्बर 9424796798, व्यकुट मैनेजर श्री रवि अग्रवाल के मोबाइल नं. 9806954169 तथा होटल तानसेन रेसीडेंसी ग्वालियर के दूरभाष नम्बर 0751-2340370, 4010555, 4010666 पर संपर्क किया जा सकता है।

सम्पूर्ण बाजार को रविवार को बंद करने की बाध्यता नहीं रहेगी

ग्वालियर। जिला प्रशासन द्वारा पूर्व में रविवार को बाजार बंद रखने हेतु आदेश जारी किया गया था। जबकि इस संबंध में स्पष्ट किया गया है कि सम्पूर्ण बाजार रविवार को बंद करने की बाध्यता नहीं रहेगी। उक्त आदेश के पैरा-4 में वर्णित अतिआवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत आने वाले व्यवसाय जैसे दूध, दही, बेकरी प्रोडक्ट, मेडीकल, पेट्रोल पम्प, सब्जी, फल, ट्रांसपोर्ट, होम डिलेवरी आदि प्रतिदिन खुले रहेंगे। अपर जिला मजिस्ट्रेट ग्वालियर द्वारा धारा-144 दण्ड प्रक्रिया संहिता के तहत जारी आदेश में उल्लेख किया गया है कि ग्वालियर जिला सीमा अंतर्गत (अनुभाग डबरा को छोड़कर) अन्य सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान एवं दुकानें जो अलग-अलग बाजारों में पृथक-पृथक दिवस रविवार एवं मंगलवार को बंद रहती थीं वे पूर्ववत इन्हीं दिनों में बंद रहेंगी।

इम्यूनिटी के साथ आत्मबल को भी बढ़ाएं

अपने सुखद जीवन को समझे, आनंद की अनुभूति करें, स्वयं के भीतर जाएं - राज्य आनंद संस्थान निःशुल्क सिखा रहा ऑनलाइन अल्पविराम

ग्वालियर। कोरोना संकट के कारण लॉकडाउन में प्रदेश के नागरिकों को उत्साह, आनंद की अनुभूति कराने और स्वयं से जुडाव के लिए राज्य आनंद संस्थान के लोकप्रिय अल्पविराम कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रशिक्षण का प्रतिदिन आयोजन किया जा रहा है। राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल ने बताया कि कोरोना के इस संकट काल के दौरान नागरिकों में फैले भय और अवसाद को दूर करने के लिए संस्थान ऑनलाईन अल्पविराम कार्यक्रम 4 मई से संचालित कर रहा है। इस कार्यक्रम में 40 प्रतिभागी ऑनलाइन जुड़ सकते है। इससे स्वयं के जीवन के प्रति जागरूकता, जीवन का लेखा-जोखा ,किसने हमारी मदद की, हमने किसकी मदद की, मेरे जीवन के लक्ष्य आदि मुद्दों पर बात की जाती है। श्री अर्गल ने बताया कि पिछले 60 दिनों से कोरोना माहामारी से बचाव के लिए हम सभी अपने-अपने घरों में हैं । बाहर के इस संकट से बचने का सबसे सही उपाय यही है कि हम स्वयं को घर के अंदर रखें, सोशल डिस्टेंसिग का पालन करें, भीड़ नहीं लगाए और भीड़ हो ऐसी जगह पर नहीं जाएं। जब हम बाहर नहीं जा पा रहे हों तो क्यों ना अपने स्वयं के अंदर जाएं, स्वयं के जीवन के भीतर उतरें। अपनी अंतरात्मा से बातचीत करें, स्वयं को समय दें। संस्थान के द्वारा 04 मई से प्रतिदिन 40 लोग का पंजीयन कर एक समूह बनाया जा रहा है, जिसमें अगले छ-दिनों तक लगातार अल्पविराम के सत्रो का ऑनलाइन अभ्यास कराया जा रहा है। राज्य आनंद संस्थान के प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ऑनलाइन वीडियो के माध्यम से यह अभ्यास कराया जा रहा है। अब तक इस प्रकार के 15 कोर्सों में प्रतिभागियों का पंजीयन किया गया है। जिससे 450 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया है। यह प्रक्रिया और कार्यक्रम निरंतर जारी है। कोई भी व्यक्ति राज्य आनंद संस्थान की बेवसाईट पर जाकर आनंद शिविर टैब को क्लिक कर अपना पंजीयन निशुल्क करा सकता है। इस सम्बन्ध में अधिक सहायता के लिए फोन नं. 7723929667 पर संपर्क भी कर सकते है। संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने नागरिकों से अपील की है कि इस कार्यक्रम से जुड़ें। इस अभ्यास को करने से आप अपने आंतरिक आनंद को पहचानने में सक्षम हो पायेंगे। जीवन को समझने के नजरिए में बदलाव आएगा जो निश्चित रूप से आपके आनंद को बड़ा सकेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478